

होने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹113237/-  
(75.00%)

22 कैरेट रेट = ₹138300/-  
(91.60%)

24 कैरेट रेट = ₹150967/-  
(99.99%)

Live Rate आनंद ज्वेल के मोबाइल ऐप पर चेक करें

anand Jewels

Pandri, Raipur

haribhoomi.com

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बिलासपुर, बुधवार 16 सितंबर 2026

## वित्तमंत्री ओपी बोले- सेवा, संकल्प अभियान है विकसित भारत का विजन

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रायपुर

देश की राजनीति में 17 सितंबर 2026 एक ऐतिहासिक पड़ाव के रूप में दर्ज होने जा रहा है। नरेंद्र मोदी बतौर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार 25 वर्ष पूरे करने वाले स्वतंत्र भारत के पहले नेता बन रहे हैं। इसी दिन वे अपने जीवन के 75 वर्ष भी पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक पद (मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री) पर 25 वर्ष पूरे होने और 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का सेवा संकल्प अभियान चला रही है।

है। इस अभियान की राष्ट्रीय समिति के सदस्य व छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने खास बातचीत में बताया, यह आयोजन केवल संगठन का नहीं, बल्कि समाज, सरकार और संगठन तीनों की सहभागिता से जनसेवा को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है। हरिभूमि-आईएमएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी से खास मुलाकात में ओपी चौधरी ने न केवल इस अभियान की रूपरेखा बताई, बल्कि नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की राजनीतिक यात्रा, उपलब्धियों और भाजपा की आगे की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश:-

### वित्तमंत्री ओपी चौधरी के साथ डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत



- सेवा संकल्प अभियान के लिए एक समिति बनी। आपसे जानना यह है, समिति जो बनी उसे कार्यक्रम दिया गया या जो समिति बनी उसने कार्यक्रम बनाया? पहले तो यहां से शुरुआत करते हैं। थोड़ा इस पर रोशनी डालेंगे?
- जी, भारतीय जनता पार्टी की जो कार्यप्रणाली है, आप भी बहुत अच्छे तरीके से समझते हैं, बहुत ही सामूहिकता की कार्यप्रणाली होती है और उसमें हर तरह के फीडबैक को वेलकम किया जाता है। कोई बहुत जूनियर कार्यकर्ता हो, कोई बहुत सीनियर कार्यकर्ता हो, कोई अनुभवी होते हैं, कोई रंग बरस होते हैं, सब तरह के विचारों को सुना जाता है, अलग-अलग फोरम से डेलिबेशन किया जाता है। उसके बाद एक अच्छी योजना बना करके ऐसे काम किए जाते हैं जिससे जनता के दिल में स्थान बने, जिसमें ध्वजुअल में जनता को फायदा भी हो। जन्मदिवस अगर नरेंद्र मोदी जी का मना रहे है तो 'सेवा दिवस' के रूप में मना रहे हैं। तो हम सेवा की थीम को लेकर के आगे बढ़ें और यह सब एक सामूहिक निर्णय प्रक्रिया के तहत होता है और बहुत ही क्लैरिटी के साथ जनसेवा उसका मुख्य थीम है।

- क्या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पहले कार्यक्रम की परिकल्पना की फिर आप सबको याद किया, या आप सबको याद किया और फिर कार्यक्रम की परिकल्पना आई?
- अलग-अलग प्लेटफॉर्म से, अलग-अलग तरीके से, अलग-अलग लोगों से डेलिबेशन करके बहुत सारे कार्यक्रमों की सूची बनी थी। उस सूची को हम लोगों ने तैयार किया, पूरी टीम ने सामूहिकता के साथ सूची तैयार की। उस समिति में, उस कमेटी में जो लोग हैं, उसके बाहर के भी अनेक महत्वपूर्ण लोगों से हमने चर्चा की, उनके फीडबैक लिए, सुझाव लिए और एक कलेक्शन बनाया। और उसके बाद हमने अपने ऊपर के संगठन के, हमारे सीनियर लोगों को दिखाकर के फिर उन्होंने फिर उसको शॉर्टलिस्टेड भी करना था, ऑब्जियस सी बात है बहुत सारे कार्यक्रम नहीं हो सकते, तो फिर बाद में हमारे इस संगठन के अनुभवी लोगों से हमने परामर्श करके शॉर्टलिस्टिंग का काम किया।
- तो फाइनल कार्यक्रम का स्वरूप क्या बना है? एक महीने तक कार्यक्रम चलाना है, एक दिन का समझ में आता है, एक हफ्ते का भी समझ में आता है, आप तो एक महीने तक ले बैठे हैं।
- भारतीय जनता पार्टी में एक महीना क्या, 365 दिन काम करने वाले हमारे सभी कार्यकर्ता साथी हैं। भारत देश की जनता में भी इतना नरेंद्र मोदी के लिए समर्पण है कि नरेंद्र मोदी के लिए आम लोग, ॥शेष पेज 6 पर

## पीएम आवास पर खुले मंच पर ऐतिहासिक बहस, आमने- सामने हुए पूर्व सीएम भूपेश और गृहमंत्री विजय

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रायपुर

पीएम आवास योजना पर पहली दफा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम सह गृहमंत्री विजय शर्मा मंगलवार को आमने-सामने नजर आए। रायपुर प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में स्वीकृत और पूर्ण हुए आवासों के आंकड़े पेश किए करते हुए एक-दूसरे पर तीखे तीर छोड़े। उनके बीच 1.30 घंटे मैराथन बहस चली। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता के बीच प्रेसक्लब में नारेबाजी होती रही। यहां पर पुलिस ने व्यवस्था संभाल रखी थी।।

दरअसल, पीएम आवास के मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खुली बहस की चुनौती दी थी। भूपेश बघेल ने इस चुनौती को स्वीकार किया। इसी के तहत दोनों नेता रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां पीएम आवास को लेकर दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष रखा। दोनों ने आंकड़ों के सहारे गरीब हिस्से होने का दावा किया। जैसे-जैसे बहस आगे बढ़ी, आंकड़े आरोपों में बदल गए। एक दूसरे पर झूठ बोलने, आंकड़ों को तोड़-मरोड़ कर पेश किए जाने के आरोप लगने शुरू हो गए। चर्चा के अंत में ॥शेष पेज 6 पर

### गृहमंत्री बोले- 18 लाख आवास मंजूर, 11 लाख 75 हजार पीएम आवास पूर्ण, भूपेश ने कहा-आंकड़े गलत



### पीएम आवास पर पहली दफा खुले मंच पर टकराए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश और गृहमंत्री विजय

#### 18 लाख का संकल्प लिया, बढ़ रहे उस ओर - विजय

विजय शर्मा ने स्वीकार किया कि मौजूदा भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद 18 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने का संकल्प लिया गया। उस पर काम किया जा रहा है। अब तक 11 लाख 75 हजार आवास पूर्ण हो चुके हैं।

#### पूर्व मुख्यमंत्री बघेल कुल संख्या पर अड़े रहे

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा, वर्ष 2011 की सामाजिक आर्थिक जनगणना के आधार पर 18 लाख आवास और आवास प्लस के 8 लाख कुल मिलाकर राज्य में 26 लाख से ज्यादा प्रधानमंत्री आवास बनाए ही नहीं जा सकते हैं। जबकि मौजूदा भाजपा सरकार व केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्री और विभागों की घोषणा को जोड़ें तो मकानों का आंकड़ा इससे लाखों ज्यादा है। उनकी सरकार ने 6.97 लाख आवास स्वीकृत किए। 2018 में 3.48 लाख स्वीकृत में से 1.39 लाख पूर्ण, 2020-21 में 1.97 लाख लक्ष्य में से 1.22 लाख पूर्ण किए ॥शेष पेज 6 पर

### बहस के बाद कार्टून-वार



### छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे ज्यादा पीएम आवास बनाए- विजय

बहस की शुरुआत करते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में 11 लाख 75 हजार पीएम आवास पूर्ण किए। उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार को वेबसाइट पर इसके पूरे आंकड़े उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पीएम आवास बनाए हैं। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, उसके कार्यकाल में वित्तीय स्वीकृति तो हुई, लेकिन आवास ॥शेष पेज 6 पर



### हमने 7 लाख आवास स्वीकृत किए-भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपने कार्यकाल में बने आवास को लेकर कहा, 2018 में 3 लाख 48 हजार 960 घर स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 1 लाख 39 हजार मकान पूर्ण हुए। 2020-21 वित्तीय वर्ष में 1 लाख 97 हजार 811 आवास का लक्ष्य था, जिसमें से 1 लाख 22 हजार आवास पूरे किए गए। उन्होंने कहा, कोरोना काल में किसी भी सरकार के पास पर्याप्त पैसा नहीं था। उन्होंने दावा किया कि 2022-23 में पीएम आवास का पोर्टल बंद कर दिया गया था और उनकी ॥शेष पेज 6 पर

### विजय 10 और भूपेश को 0 नंबर

विजय शर्मा और भूपेश बघेल के पीएम आवास पर हुए डिबेट पर मुख्यमंत्री



विजय शर्मा ने कहा, मैंने पूरा डिबेट देखा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने शानदार डिबेट किया। मैं उन्हें 10 में से 10 नंबर देता हूँ। उन्होंने भूपेश बघेल को जीरो बटा 10 नंबर दिया और कहा, भूपेश इसी लायक हैं।

### • भूपेश ने लगाए ये आरोप

- भूपेश बघेल ने दावा किया कि 2022-23 में केंद्र सरकार ने पीएम आवास का पोर्टल बंद कर दिया था। इसके कारण छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना प्रभावित हुई।
- उन्होंने कहा, कोरोना के दौरान राज्यों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। सरकार ॥शेष पेज 6 पर

### • विजय शर्मा ने दिया ये जवाब

- डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने स्पष्ट कहा कि पीएम आवास का पोर्टल बंद नहीं था। कोरोना काल में भी केंद्र सरकार से राशि आती रही।
- शर्मा ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि अगर यह प्रधानमंत्री आवास योजना है तो प्रधानमंत्री ही ॥शेष पेज 6 पर

### खबर संक्षेप

#### राम मंदिर से जुड़ी कंपनियों को देनी होगी गारंटी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में मंदिर निर्माण में शामिल कंपनियों को 'बैंक गारंटी' देनी होगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाले वर्षों में उनके काम की गुणवत्ता बनी रहे। यह मुद्दा मंदिर निर्माण में शामिल कंपनियों, विशेष रूप से लार्सन एंड टुब्रो और टाटा को अंतिम भुगतान पर चर्चा के दौरान उठा।

#### केंद्र ने कबाड़ बेचकर कमाए 5,100 करोड़

नई दिल्ली। सरकारी कार्यालयों में चलए गए विशेष अभियानों के तहत पिछले पांच वर्षों में कबाड़ बेचकर 5,100 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व प्राप्त किया गया है। वर्ष 2021 से इस अभियान के पांच सालाना संस्करणों की मासिक निगरानी के जरिए 24.20 लाख से अधिक स्थलों पर अभियान चलाया गया, 180.48 लाख से अधिक फ़ाइलों को हटया।

#### हवाई अड्डे पर 1.93 करोड़ का गांजा बरामद

नई दिल्ली। सीमा शुल्क अधिकारियों ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर म्यामा की एक नागरिक से लगभग 1.93 करोड़ रुपए मूल्य का 5.5 किलोग्राम संदिग्ध गांजा जब्त किया। बैंकों के आई यह यात्री 11 सितंबर को टर्मिनल-3 पर पहुंची और 'प्रोफाइलिंग' के आधार पर सीमाशुल्क अधिकारियों ने उसे रोक लिया।

### निफ्टी पांच महीने के निचले स्तर पर

## शेयर बाजार में भूचाल निवेशकों के डूब गए नौ लाख करोड़ रुपए



एजेंसी ॥ मुंबई

शेयर बाजार में मंगलवार को भूचाल आ गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 778 अंक की गिरावट के साथ 74,004 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 280 अंक की गिरावट रही, ये 23,119 पर बंद हुआ। ऐसी गिरावट से निवेशकों के करीब नौ लाख करोड़ रुपए डूब गए।

ऑटो, मेटल, फार्मा, रियल्टी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। मजबूती के साथ खुला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 787.73 अंक फिसलकर 73,994.03 अंक के निचले स्तर तक आ गया था। इसी तरह, एनएसई की 50 ॥शेष पेज 6 पर

### एक्सपर्ट व्यू

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निरावट जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शेड प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ते वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल से निवेशक धारणा प्रभावित होने के कारण घरेलू बाजार में गिरावट जारी रही। उन्होंने कहा कि प्रमुख केंद्रीय बैंकों की इस सप्ताह होने वाली बैठकों से पहले निवेशक सतर्क रहे और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत खसती की बढ़ती आशंकाओं के बीच लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की चिंता बनी रही।

### चेक बाउंस मामले पर बोले सीजेआई

## राजपाल एक्टिंग में माहिर भरोसा करना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

चेक बाउंस मामलों में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि राजपाल फिल्मों में बहुत अच्छी एक्टिंग करते हैं। मैं उम्मीद करता हूँ कि वे ऐसा कोर्ट में नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल को दो करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी है।



### वाद करने के बाद मुकर गए

यह पूरा मामला मुरली प्रोडक्शंस के मालिक से जुड़ा है, जिसमें निजी शिकायतकर्ता का आरोप था कि राजपाल पर 5 करोड़ रुपए बकाया है और मामला कोर्ट पहुंचा। अदालत में मामला पहुंचने के बाद यह राशि ब्याज समेत 9 करोड़ रुपए हो गई।

### पिथौरागढ़ में अचानक सड़क पर गिरी पहाड़ी

## केदारनाथ में बिना हेलमेट यात्रियों को अब एंट्री नहीं

एजेंसी ॥ चमोली

उत्तरकाशी और देहरादून में मूसलाधार बारिश हो रही है। चमोली में भी हाईवे पर मलबा और बोल्टर आने से आवाजाही प्रभावित हुई है, जबकि पहाड़ी के पावों बाजार में भूस्खलन और भू-धंसाव से खतरा बढ़ा है। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चौरबासा के पास पथर गिरने के खतरे के बीच यात्रियों को हेलमेट पहनाकर सुरक्षित निकाला जा रहा है।

### हेलमेट पहनाकर रेस्क्यू किया जा रहा

रुद्रप्रयाग के केदारनाथ पैदल मार्ग पर चौरबासा क्षेत्र में पहाड़ी से पथर गिरने के खतरे को देखते हुए यात्रियों को हेलमेट पहनाकर आगे भेजा जा रहा है। सुरक्षा जांच के बाद करीब 200-200 यात्रियों को क्षतिग्रस्त हिस्से से निकाला जा रहा है।

### छत्तीसगढ़ सरकार की एसएलपी खारिज

## चार सौ से ज्यादा कांग्रेस अभ्यर्थियों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज़ ॥ बिलासपुर

### अब आगे क्या

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बर्ती के सैकड़ों प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में 2259 कांग्रेस बर्ती के खतरे को देखते हुए यात्रियों को हेलमेट पहनाकर आगे भेजा जा रहा है। सुरक्षा जांच के बाद करीब 200-200 यात्रियों को क्षतिग्रस्त हिस्से से निकाला जा रहा है।

सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की एसएलपी खारिज कर दी। इसके साथ ही हाई कोर्ट के फैसले के आधार पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलने की संभावना मजबूत हो गई है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नौशाहीन अली उपस्थित नहीं।

## देवरी में जीवंत हुई अनोखी परंपरा, सांवरा समाज ने की सर्प पूजा

# ऋषि पंचमी पर जहरीले सांपों की निकली शोभायात्रा

गोरेलाल सिन्हा ॥ गण्डियाबंद

जिले के ग्राम देवरी में ऋषि पंचमी पर सोमवार को आस्था, परंपरा और लोकसंस्कृति का अनुभव संगम देखने को मिला। ढोल-नागाड़ों की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा और श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच सांवरा समाज ने वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए जहरीले सर्पों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और इसके बाद पूरे गांव में उनकी शोभायात्रा निकाली। इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

ग्राम देवरी में ऋषि पंचमी पर सर्प पूजा की यह परंपरा पीढ़ियों ॥शेष पेज 6 पर



### सर्पदर्श से बचाव की जानकारी

इस आयोजन की विशेषता केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है। गांव स्थित गुरु सांवरा पाठशाला में वर्षभर ग्रामीणों को सर्पदर्श से बचाव और उपचार की जानकारी दी जाती है। ऋषि पंचमी के अवसर पर इसी प्रशिक्षण का दीक्षांत समारोह भी आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रशिक्षित लोगों को सम्मानित कर जागरूकता का संदेश दिया जाता है।

### पूजा के बाद जंगल में सांपों की वापसी

आयोजन के अंत में परंपरा के अनुसार पूजा में शामिल सभी सर्पों को सुरक्षित रूप से उनके प्राकृतिक आवास में वापस जंगल में छोड़ दिया जाता है। इससे वन्यजीव संरक्षण और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश भी दिया जाता है। ग्राम देवरी की यह अनूठी परंपरा हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करती है और जिले की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में जानी जाती है।

### करैत, अशोडीयां, मोहा और फुरसे जैसे जहरीले सर्प

ऋषि पंचमी के अवसर पर ग्राम देवरी में आयोजित होने वाली यह अनूठी परंपरा गुरु परंपरा के निर्वहन का प्रतीक माना जाता है। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा में सर्पों की पूजा-अर्चना और शोभायात्रा के दौरान विशेष रूप से नाग साप की संख्या अधिक होती है। इसके अलावा करैत, अशोडीयां, मोहा और फुरसे जैसे जहरीले सर्पों का प्रदर्शन करते हैं। हालांकि ये सर्प पूरी तरह प्रशिक्षित सर्पों की निगरानी और नियंत्रण में रहते हैं। ग्रामीणों के अनुसार हर वर्ष इस आयोजन में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ती है, लेकिन सवाधानी और पारंपरिक अनुभव के कारण अब तक किसी भी दुर्घटना की जानकारी सामने नहीं आई है। पूजा संपन्न होने के बाद सभी सर्पों को उनके प्राकृतिक आवास जंगल में वापस छोड़ दिया जाता है।



# DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

A part of **aisect**india

Bilaspur, Chhattisgarh

Approved by : PCI | AICTE | NCTE | BCI | Member of : AIU | Recognized by : UGC | NAAC Accredited University

**JOIN A NAAC 'A' GRADE UNIVERSITY**  
**AI ENABLED CAMPUS WITH GLOBAL OPPORTUNITIES**



**4000**  
Students  
Placed  
(Last 5 years)



**Companies**  
Visited  
**450+**

Up to **100%**  
Scholarship Available for  
Deserving and Eligible Students

**25+**  
International Students  
from Nepal & Bhutan.

Highest Package up to  
**₹ 35 LPA**

**ADMISSION OPEN**  
**(2026-27)**

## Programme Offered FACULTY OF PHARMACY

**D.Pharm**  
Diploma of Pharmacy-2 Years

**B.Pharm**  
Bachelor of Pharmacy- 4 Years

**B.Pharm (Lateral Entry)**  
Bachelor of Pharmacy (Lateral Entry) - 3 Years

**M.Pharm**  
Master of Pharmacy-2 Years



**DTE, C.G.**  
**ONLINE**  
**COUNSELLING**  
**SCHEDULE**

| Counselling     | Form Fill-up            | Allotment    | Admission               |
|-----------------|-------------------------|--------------|-------------------------|
| 2nd Round       | 13 Sept to 16 Sept 2026 | 19 Sept 2026 | 20 Sept to 22 Sept 2026 |
| Institute Level | 24 Sept to 26 Sept 2026 | 27 Sept 2026 | 28 Sept to 30 Sept 2026 |

### Engineering & Technology

**B.TECH.**  
B. Tech in Computer Science Engineering (AI and Data Science) In Association with IBM  
B. Tech in Computer Science Engineering (AI and ML) In Association with Google  
B. Tech in Mechanical Engineering (Global Certification in Mechanical Design)  
In Association with Ethnotech Academy  
B. Tech in Civil Engineering (Global Certification in 3D Design)  
In Association with Ethnotech Academy  
B. Tech in Electronics & Communication Engineering  
(Global Certification in Electric Vehicle) In Association with Ethnotech Academy  
B. Tech Electrical Engineering/ Electrical & Electronics Engineering  
(Global Certification in Electric Vehicle) In Association with Ethnotech Academy

**M.TECH**  
Digital Communication  
Power System  
Computer Science Engineering  
Production Engineering  
VLSI -Software Engineering

**POLYTECHNIC DIPLOMA**  
Civil Engineering  
Mechanical Engineering  
Computer Science Engg.  
Electrical Engineering

### UG DIPLOMA IN FIRE SAFETY MANAGEMENT

### Education & Physical Education

Bachelor of Education (B.Ed)  
Master of Education (M.Ed)  
Bachelor of Physical Education and Sports (BPES)  
Master of Physical Education and Sports (MPES)  
Master of Arts in Yoga (MA Yoga)

### Commerce & Management

**MBA**  
Marketing | Finance | HR | Production | IT | Retail  
Tourism and hospitality management  
BBA as per (AICTE Model Curriculum)  
BBA (Business Analytics with AI)  
PGDBM (PG Diploma in Business Management)  
B.Com Banking & Finance in Association with IIBF  
M.Com Banking & Finance in Association with IIBF  
D.B.F. (Diploma in Banking and Finance)  
in Association with IIBF

### Information & Technology

**M.Sc. (IT, CS)** ( AI/ Data Science/ Cyber Security)  
in Association with Nasscom/NPTEL  
**BCA** (AI & ML/ Data Science) In Association  
with Google/Nasscom/EthnoTech Academy  
**B.Sc. (CS)** (AI/ Data Science/ Cyber Security)  
in Association with Nasscom/Google  
**B.Sc. (IT)** (AI/ Data Science/ Cyber Security)  
in Association with Nasscom/Google  
**PG Diploma in Computer Application (PGDCA)** with AI  
**Diploma in Computer Application (DCA)** with AI  
**Diploma in Artificial Intelligence (DAI)**

### Science

**Bachelor of Science (B.Sc.)** Integrated with PSC Coaching  
Physics | Chemistry | Maths | Microbiology  
Biotech | Botany | Zoology | Computer Science  
Rural Technology | UG Nutrition & Dietetics  
**Master of Science (M.Sc.)** Integrated with PSC Coaching  
PCM | Botany | Microbiology | Biotech | Zoology  
Rural Tech | Electronics | Applied Physics  
**PG Diploma in Rural Development (PGDRD)**

### Law

**B.A. (LLB) | B.Com. (LLB) | L.L.B. | L.L.M.**  
**Bachelor of Vocational ( B.Voc)**  
Automobile Servicing | IT Application Development  
House Keeping | Production Technology  
Banking, Financial Services and Insurance  
Home Care | Construction | AC & Refrigeration  
Multimedia & Animation | Hospital Administration  
Fashion Designing | Interior Designing  
Fire & Safety (Industrial & Construction)

**Research Programmes Ph.D.**

### Arts

**Bachelor of Arts (BA)** Integrated with PSC Coaching  
**B.A. (Geography)** Remote Sensing and  
Geographical Information Systems (GIS).  
**B.A. (History)** Digital Tools and Techniques in  
Historical Studies.  
**B.A. (Economics)**  
**B.A. (Sociology)** Digital Society,  
AI and Cyber Sociology.  
**B.A. (Political Science)** Cyber Security  
and Governance.  
**B.A (Sanskrit)** Vedic studies, Dharamshastra  
& Karmkand, IKS, Sanskrit Natya Shastra,  
and Vastu & Jyotish Science.  
**B.A. (English)**  
**B.A. (Hindi)**

**Master of Arts (MA)** Integrated with PSC Coaching  
Hindi | English | Chhattisgarhi | Sanskrit | History  
Geography | Economics | Political Science  
Sociology | Education | Rural Development  
UG Diploma in Foreign Language  
PG Diploma in Geospatial Technology  
Diploma in Karmkand  
Diploma in Jyotish evam Vastu  
**Bachelor of Library Science (B.Lib)**  
**Master of Library Science (M.Lib)**  
**Master of Social Work (MSW)**  
**Bachelor of Journalism | Master of Journalism**  
**Performing Fine & Folk Arts:**

**BPA (Dance, Instrumental, Vocal) | MPA**  
**Certificate Courses:**  
Indian Music (Vocal), Kathak, Tabla, Guitar

### Top Recruiters of AGU

More than **500 companies** for Placements  
and Internships Offering up to **10 Lakh Package**



### Special Features:

● Accredited by NAAC ● Chhattisgarh's first private university ● Skill Courses offered by PMKK in the University ● 100+ Industry Collaborations for a strong industry academia relationship. ● Fully Automated Central Library ● 12 Centre of Excellence in the field of Art & Culture, Biotechnology, Green Energy, Performing Arts, Future & high end skills and many more Sprawling 70-acre campus surrounded by lush greenery ● Diverse student base from 8 states ● Career Advancement – Upgrade skills, get promotions, and grow in your career. ● Flexible Timings – Ideal for working professionals, homemakers, and rural learners. ● Rich Study Material – Printed self-learning books, e-books, and interactive video lectures. ● Affordable Fee Structure – Quality education at a low cost ● Counselling & Support – Guidance from expert faculty through online/offline modes. ● Technology-Enabled Learning – Online classes, e-resources, and digital libraries for modern education. ● Learner Support Division – Dedicated academic and administrative support through counselling and helplines. ● Inclusive Education – Empowering rural learners, women, and differently-abled students through equal opportunities. ● PSC Coaching integrated UG/PG Programme ● Google Cloud Certified Digital Campus.

## Approvals & Recognition From Regulatory Bodies



(University Grants Commission) Act 1956



The AICTE  
(All India Council of  
Technical Education)



The NCTE  
(National Council for  
Teacher Education)



The BCI  
(Bar Council of India)



Dr. C.V. Raman University is the  
member of the Association of  
Indian Universities (AIU)



The University is  
Approved by CGPURC



The PCI (Pharmacy  
Council of India,  
a statutory body constituted  
under the Pharmacy Act, 1948)



University Grants  
Commission (UGC)  
Distance Education Bureau

**Call to Action: "Start Your Journey Today—Transform Tomorrow!"**

**6261-900581/88**

**Campus:** Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.) Ph. +91-7753-253801,  
**E-Mail :** info@cvru.ac.in, admissions@cvru.ac.in

**City Office:** Dr. C.V. Raman University, Infront of Pallav Bhavan, Ring Road No.2, Bilaspur (C.G.) Ph. 07752-448799, Mo. 9109028878



## चिंतन

## धरती के लिए खतरा बढ़ा रही अंतरिक्ष में हथियारों की आहत

अमेरिका ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव टॉय मिक का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में रणनीतिक बढ़त हासिल करने की होड़ लगातार तेज हो रही है। सवाल इसलिए केवल यह नहीं है कि अमेरिका ने अंतरिक्ष में कौन से हथियार तैनात किए हैं, बल्कि यह भी है कि इस खुलासे का समय क्या संकेत देता है? क्या यह ईरान और पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम से दुनिया का ध्यान अंतरिक्ष की कोशिश है या फिर अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के एक नए दौर का सार्वजनिक ऐलान? अमेरिकी अधिकारी ने यह तो कहा कि आर्बिट में मौजूद हथियार जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों और अंतरिक्ष प्रणालियों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि हथियार किस प्रकार के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया। यही गैरगोपनीयता इस पूरे घटनाक्रम की और गंभीर बनाती है। आज के युद्ध में सैटेलाइट किसी देश की आंख, कान और संचार व्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। सेना इनके जरिए संपर्क बनाए रखती है, दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखती है, मिसाइलों की चेतावनी हासिल करती है और अपने सैनिकों तथा हथियारों की स्थिति का पता लगाती है। इसलिए अंतरिक्ष पर नियंत्रण का अर्थ धीरे-धीरे युद्ध के मैदान पर बढ़त हासिल करने से जुड़ता जा रहा है। अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की अंतरिक्ष सैन्य क्षमताओं को लेकर चिंता जताता रहा है। रूस के अंतरिक्ष में परमाणु क्षमता विकसित करने की आशंकाओं को लेकर भी अमेरिका चिंता जागरूक बना रहा है, हालांकि मॉस्को इन आरोपों से इनकार करता है। दूसरी ओर, चीन भी अपनी सैन्य आधुनिकीकरण नीति के तहत अंतरिक्ष और एंटी-सैटेलाइट तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका का यह कहना कि उसके पास भी आर्बिट में हथियार मौजूद हैं, सुरक्षा की मजबूती के रूप में पेश किया जा सकता है। समस्या यह है कि एक देश की सुरक्षा दूसरे देश के लिए खतरा बन सकती है। परिणाम वही होगा जो दुनिया ने परमाणु हथियारों की होड़ में देखा। सुरक्षा के नाम पर शुरू हुई प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे असुरक्षा को बढ़ाती चली गई। इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक अनुसंधान, संचार और मानव प्रगति का क्षेत्र नहीं रह गया है। वह तेजी से सैन्य रणनीति का नया मोर्चा बन रहा है। यदि किसी बड़े संघर्ष में सैटेलाइटों को निशाना बनाया गया तो उसका असर केवल सैनिक अभियानों तक सीमित नहीं रहेगा। नैविगेशन, विमानन, समुद्री परिवहन, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, दूरसंचार और वित्तीय सेवाओं तक पर असर पड़ सकता है। अंतरिक्ष में मुठभेड़ हुई तो उसकी कीमत धरती पर आम आदमी चुका सकता है। यहीं 1967 की आउटर स्पेस ट्रीटी की प्रासंगिकता सामने आती है। इस संधि ने पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों की तैनाती पर रोक लगा दी थी। लेकिन इसमें पारंपरिक हथियारों के अंतरिक्ष में इस्तेमाल पर वैसी स्पष्ट और व्यापक रोक नहीं है। अमेरिका का ताजा खुलासा इसलिए दुनिया के लिए चेतावनी है कि अंतरिक्ष को युद्ध का नया मैदान बनने से रोकने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय नियम पर्याप्त नहीं हैं। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि अंतरिक्ष में कौन-सी सैन्य गतिविधियां स्वीकार्य होंगी और कौन-सी नहीं।

### विश्व ओजोन दिवस

रोहित कौशिक



## नया शोध, नई जानकारी लेकिन खतरा टला नहीं

वि कास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। यही कारण है कि विश्व के ज्यादातर देश किसी न किसी रूप से विकास कर रहे हैं। जीवन स्तर सुधारने के लिए विकास की यह प्रक्रिया सुखद है, लेकिन क्या इस विकास से सच्चे अर्थों में हमारा जीवन स्तर सुधर गया है? भौतिक रूप से देखें तो निश्चित रूप से हमारा जीवन स्तर सुधरा है, लेकिन विकास की इस प्रक्रिया ने हमारे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाई है। इसका असर न केवल प्रकृति के स्वास्थ्य बल्कि हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। इस दृष्टि से देखें तो हमारा जीवन स्तर सुधरा नहीं है, अपितु खराब ही हुआ है। विकास की इस प्रक्रिया ने प्रकृति को कई जख्म दिए हैं। प्रकृति के इन जख्मों ने इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा प्रभाव डाला है। विभिन्न तरह से हमारी रक्षा करने वाली ओजोन परत का क्षरण भी विकास की अंधाधुंध प्रक्रियाओं का ही नतीजा है। समय-समय पर ओजोन परत को लेकर कई अध्ययन प्रकाशित होते रहते हैं। दरअसल, ओजोन परत पृथ्वी के वातावरण की एक महत्वपूर्ण है। यह परत हमें सूर्य की हानिकारण पैराबैंगनी किरणों से बचाती है। 1980 के दशक में वैज्ञानिकों को पता चला था कि यह परत तेजी से पतली हो रही है। मुख्य रूप से अंटार्कटिका के ऊपर एक ओजोन छेद बन रहा था। वैज्ञानिकों ने बताया था कि इसका मुख्य कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन जैसे रसायन हैं जो फ्रिज, एयरकंडीशनर और स्प्रें उत्पादों में इस्तेमाल किए जाते हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि ओजोन परत का क्षरण 1985 में अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र की खोज से बहुत पहले ही शुरू हो चुका था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने अपने नए अध्ययन में दावा किया है कि अगर आज जैसी उन्नत निगरानी तकनीकें पहले उपलब्ध होतीं तो वैज्ञानिक ओजोन क्षरण के संकेत 1957 में ही पकड़ सकते थे। इसका अर्थ यह है कि ओजोन छिद्र की खोज से लगभग तीन दशक पहले ही इस सुरक्षात्मक परत को नुकसान होना शुरू हो चुका था।

अब तक मुख्य रूप से क्लोरोफ्लोरोकार्बन को ही ओजोन परत के शुरुआती क्षरण के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है, लेकिन बताया गया है कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन नहीं बल्कि कार्बन टेट्राक्लोराइड नाम का एक औद्योगिक रसायन ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार था। दरअसल, लगातार हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधानों का सबसे बड़ा लाभ यही है कि नई-नई जानकारीयां सामने आती रहती हैं। ऐसे अध्ययनों में कई बार पिछले अध्ययनों को नकार भी दिया जाता है। यही विज्ञान की सबसे बड़ी ताकत है। विज्ञान की इसी ताकत के बल पर नए आविष्कार होते हैं और नया शोध प्रमाण के साथ सामने आता है। ओजोन परत पर हुए इस नए अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (पीएनएएस) में प्रकाशित हुए हैं। कार्बन टेट्राक्लोराइड 1930 के दशक से ही ड्राइक्लीनिंग और मशीनों की सफाई में प्रयोगाई हटाने वाले सॉल्वेंट के रूप में इस्तेमाल हो रहा था। बर्फ की गहराइयों से निकाले गए आइस कोर नमूनों में भी इसके निशान मिले। यही रसायन ओजोन परत का शुरुआती क्षरण कर रहा था। हालांकि, अब कार्बन टेट्राक्लोराइड का इस्तेमाल दुनिया के कई हिस्सों में बंद किया जा चुका है। अब कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि ओजोन परत का क्षरण कम हुआ है। इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। विभिन्न देशों की सरकारें भी इस दिशा में सहत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। हालांकि पर्यावरण के मुद्दे पर अभी भी कई देशों का व्यवहार खोखले आदर्शवाद की परिधि में आता है। यह तो मानना ही पड़ेगा कि इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इस दिशा में कुछ काम भी हो रहा है। यही कारण है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। ओजोन परत की दशा सुधारने के लिए कई तरीके के उपाय किए गए। यह भी कटु सत्य है कि पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर होने वाली वैश्विक संगोष्ठियों में कई बार अपेक्षित निर्णय नहीं लिए जाते। अनेक बार कई तरह के विरोधाभास भी उभर आते हैं, लेकिन इन सब विसंगतियों के बावजूद जब बार-बार ऐसे मुद्दों पर चर्चा होती है तो कुछ सार्थक परिणाम भी सामने आते ही हैं। इन परिणामों का ही यह नतीजा है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि इस सुधार के आधार पर यह मान लेना कि खतरा पूरी तरह टला गया है, उचित नहीं है। हमें इस दिशा में लगातार प्रयास करने होंगे। अगर इन प्रयासों में कहीं भी कमी हुई तो ओजोन परत के क्षरण का खतरा पुनः पैदा हो सकता है। हमें यह समझना होगा कि ओजोन परत को संरक्षित करना जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है।

( लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



### पश्चिम एशिया संकट

अखिलेश आर्येन्दु

तेल की कीमत 100 डालर के पार पहुंच गई है, जिसका असर दुनियाभर में साफ–साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए इसका अर्थ है–ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती, रुपये पर दबाव, महंगाई का जोखिम और आयात बिल में वृद्धि। जैसे–जैसे सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे–वैसे तमाम तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। सवाल खड़ा किया जा रहा है कि क्या भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा सुरक्षा इतनी अधिक आयातित तेल पर निर्भर रह सकती है? पश्चिम एशिया में संघर्ष और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यवधान ने तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए बड़ी है क्योंकि देश अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत में हर उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती लेकर आता है। तेल केवल पेट्रोल पंप पर बिकने वाला ईंधन नहीं है, इसका संबंध कृषिव्यवस्था के तकरीबन हर क्षेत्र से है। परिवहन, अर्थ, विमानन, पेट्रोकेमिकल उद्योग में कच्चे तेल से बनने वाले उत्पादों का इस्तेमाल होता है। प्लास्टिक, रसायन, सिंथेटिक फाइबर और अनेक औद्योगिक वस्तुओं की लागत भी ऊर्जा कीमतों से जुड़ी होती है। इसलिए कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का असर धीरे-धीरे ही सही, हर क्षेत्र में दिखाई देता है। सबसे पहले आयात बिल बढ़ता है। इसके बाद डालर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपया लगातार प्रतिदिन गिर रहा है। रुपया कमजोर होने पर भारत में आयातित तेल और महंगा हो जाता है। यानी भारत के सामने दोहरा दबाव पैदा हो जाता है– अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा और डालर के मुकाबले रुपया कमजोर। रुपया कमजोर होने का मतलब डालर की मांग बढ़ना और आयात की हुई हर वस्तु की कीमत अधिक चुकता करना। महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह रुपये का लगातार कमजोर होते जाना है। इसलिए एशिया संकट जितनी जल्दी खत्म होगा, भारत के लिए उतना ही अच्छा होगा। पश्चिम एशिया में तेल की कीमतों का लगातार बढ़ते जाने के बावजूद भारत में उस तरह की महंगाई का दौर नहीं आया, जैसे दुनिया के दूसरे देशों में देखने में आया और अभी भी बना हुआ है। सवाल यह है कि तेल के दाम बढ़ते जाने के अरसर से भारत में वस्तुओं के दाम स्थिर बनाए रखना क्या हर स्थिति में संभव होगा? अर्थशास्त्रियों के अनुसार दुनिया में तेल संकट के बाद भी भारत में महंगाई उस दर से नहीं बढ़ी, जैसे भारत

## मनुष्य इंद्रिय विषयों में करता है आनंद अनुभव



संकलित

दर्शन

भक्ति विभिन्न रूपों में प्रकाशित होती है। पहला है श्रद्धा। लोग मंदिरों और पवित्र स्थानों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि वहां भगवान की पूजा होती है, ऐसे स्थानों में उनकी सत्ता अधिक अनुभूति होती है। प्रत्येक देश में लोग धर्माचार्यों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि ये आचार्य उन्हीं भगवान की महिमा का उपदेश देते हैं। इस श्रद्धा का मूल है प्रेम। हम जिससे प्रेम नहीं करते, उसके प्रति कभी श्रद्धालु नहीं हो सकते। इसके बाद है प्रीति अर्थात ईश्वर चिंतन में आनंद। मनुष्य इंद्रिय विषयों में तीव्र आनंद अनुभव करता है। इंद्रियों को अच्छी लगने वाली चीजों के लिए वह भटकता फिरता है और बड़ा से बड़ा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। भक्त को चाहिए कि वह भगवान के प्रति इसी प्रकार का तीव्र प्रेम रखे। इसके उपरांत आता है विरह। विरह प्रेमास्पद के अभाव में उत्पन्न होने वाला तीव्र दुःख। यह दुःख संसार के समस्त दुखों में सबसे मधुर है। जब मनुष्य भगवान को न पा सकने के कारण, संसार में एकमात्र जानने योग वस्तु को न जान सकने के कारण तीव्र वेदना अनुभव करने लगता है और अत्यंत व्याकुल हो पागल-सा हो जाता है, उस दशा को विरह कहते हैं। मन की ऐसी दशा में प्रेमास्पद को छोड़ उसे और कुछ अच्छा नहीं लगता। बहुधा यह विरह सांसारिक प्रणय में देखा जाता है। जब पराभक्ति हृदय पर अपना प्रभाव जमा लेती है तो अन्य अभ्रिय विषयों की उपस्थिति हमें खटकने लगती है, यहां तक कि प्रेमास्पद भगवान के अतिरिक्त अन्य किसी विषय पर बातचीत तक कहना हमारे लिए अरुचिकर हो जाता है।

## अंतर्मन



## करंट अफेयर

## बांग्लादेश व चीन ने प्रस्तावित आर्थिक गलियारे पर की चर्चा

चीन के राजदूत याओ वेन ने बांग्लादेश की कनिष्ठ विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की तथा उन्होंने ढाका को म्यांमा और चीन से जोड़ने वाले प्रस्तावित आर्थिक गलियारे के संबंध में सहयोग पर चर्चा की। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय का हवाला देते हुए बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी ‘बीएसएस’ ने बताया कि सोमवार को मंत्री के कार्यालय में यह बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा, मानव संसाधन विकास और आर्थिक सहयोग पर भी चर्चा की। प्रस्तावित आर्थिक गलियारा का मकसद म्यांमा के रास्ते बांग्लादेश और दक्षिण–पश्चिमी चीन के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। यह पूर्व में प्रस्तावित बांग्लादेश–चीन–भारत–म्यांमा (बीसीआईएम) आर्थिक गलियारा से अलग है। इस प्रस्तावित गलियारे से बीजिंग को बंगाल की खाड़ी तक व्यापार और कनेक्टिविटी का एक अतिरिक्त रास्ता मिल सकता है। खबर के अनुसार, दोनों पक्षों ने रंगपुर में 1,000 बिस्तरों वाले प्रस्तावित अस्पताल, शिक्षा और मानव–संसाधन विकास, दोनों देशों की जनता के स्तर पर संपर्क, ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग और महिला सशक्तीकरण पर भी चर्चा की।



तस्वीर सामने आती है–घरेलू खातों से बड़ी मात्रा में धन निकल रहा है। एफबीआईएम की 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, उसकी इंटरनेट क्राइम कंसेंट्रेंटर (आईसी3) इकाई ने पहली बार एआई से जुड़े मामलों को अलग से दर्ज करना शुरू किया। अमेरिकियों ने ऐसे 22,000 से अधिक मामले दर्ज कराए और करीब 89.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नुकसान की सूचना दी। इनमें से 63.2 करोड़ डॉलर का नुकसान निवेश संबंधी धोखाधड़ी में हुआ जबकि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 35.2 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ।

के पड़ोसी देशों में बढ़ी। इसकी वजह है भारत के पास दुनिया की बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला सुरक्षा कवच का होना। इस सुरक्षा कवच के कारण कच्चा तेल आयात करके उसे पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद में बदल सकता है। दूसरी बात, भारत ने रूस सहित अलग-अलग देशों से तेल खरीदकर पिछले वर्षों में अपने आयात स्रोतों को भी विधिवत बनाया है,लेकिन यह सुरक्षा कवच बहुत लम्बे समय तक सुरक्षा नहीं दे सकता है। यदि तेल आयात पूरी तरह ठप हो जाए तो भारत के सामने ऊर्जा के दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए



अभी से ही विकल्पों को दुरुस्त करना होगा। सवाल यह है कि क्या रूस पर निर्भरता ऊर्जा समस्या का समाधान है या असली समाधान के लिए वैकल्पिक ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाना समाधान है? पश्चिम एशिया संकट के बीच अक्सर कहा जाता है कि भारत को अपने सबसे विश्वसनीय मित्र रूस से अधिक तेल खरीदना चाहिए बजाय मध्य-पूर्व देशों से। जानकारों के अनुसार रूस पर निर्भरता कुछ हद तक ही ठीक है।

एक देश पर निर्भरता के बजाय भारत को चाहिए कि वह अनेक स्रोतों और अनेक तकनीकों के संतुलित मिश्रण को अपनाए। यानी स्थायी समाधान भारत को मुकम्मल रूप से खुद तैयार करना होगा। हर तेल संकट भारत को एक ही संदेश देता है–तेल आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार लगातार वैकल्पिक ऊर्जा का विस्तार कर रही है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में लगातार विस्तार कर रही है। गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है। केवल सौर पैनल लगा देने से तेल समस्या खत्म नहीं होगी। अभी गैर-जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले वाहनों की संख्या बहुत कम है। गैर जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले दो और चार

## मैं भी मेला देखने जाऊंगी

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने कहा कि वहाँ बहुत भीड़ होगी कहीं गिरजाओगी तो चोट लगेगी। लड़की ने मां की बात नहीं सुनी और मेला देखने चल पड़ी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घंटी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बची पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैंने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगोंं तुम क्या मांगती हो? वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।



डिफेंस स्टार्टअप्स

भारत में डिफेंस स्टार्टअप्स की एक नई लहर उठ रही है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में आधुनिक डिफेंस सेक्टर को एक नई दिशा दे रहे हैं। आज का इंडोशियन ही वक्त की तिलिटी क्षमता है। - राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

सेवा संकल्प अभियान

‘सेवा संकल्प अभियान’ इस साल इस्पाईल नौ खास है क्योंकि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के कृष्णमंत्री के तौर पर शपथ ली थी और तब से वे लगातार 25 सालों से जनसेवा में समर्पित हैं। - जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

शिक्षा सिस्टम

भारत का शिक्षा सिस्टम उसी पीढ़ी को निराश कर रहा है जिसे उसे ऊपर उठाना था। पीएल लीक होना बहुत ज्यादा फ़ैस। खस्ताहाल इंफ्रास्ट्रक्चर। लाखों युवा भारतीय ईनामजरी से काम करते हैं, फिर भी सिस्टम उन्हें निराश करता है। - राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

लोकतंत्र दिवस

लोकतंत्र के इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, हमें खुद को यह याद दिलाना चाहिए कि 'हम, भारत के लोग' ही लोकतंत्र की असली नींव और आत्मा हैं। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह इस तरह काम करे जिससे लोगों का कल्याण हो। जो लोकतंत्र अपने लोगों की बात नहीं सुनता, वह लोकतंत्र नहीं है। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं० 2, गोरगढ़वा, बिलासपुर  
फ़ोन : 401050,271016,फ़ैक्स-271018  
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com  
वेब-साइट: www.haribhoomi.com



Dr. Juneja's

# डा.आर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. आर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested\*  
\*For efficacy and safety.



## अब दर्द भी घुटने टेकेगा...



घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द में सहायक आयुर्वेदिक औषधि

24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

## शाह के बयान के बाद सियासी गलियारों में नई हलचल शुरू यूसीसी पर रार, विपक्ष के साथ साथ जदयू भी आई विरोध में

» कैदीय गृह मंत्री अमित शाह के यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर दिए बयान के बाद सियासत में नई हलचल शुरू हो गई है। उन्होंने रविवार को मुंबई में कहा था कि 2029 से पहले बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के सभी 21 राज्यों में यूसीसी लागू हो जाएगा। विपक्ष ने इसका विरोध करते हुए सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

गृहमंत्री शाह के बयान के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी बात रखी है। उन्होंने एक ओर जहां यूसीसी का नया फुलफॉर्म बताया तो वहीं बीजेपी पर हमला बोलते हुए लिखा कि, 'जनता समझ रही है भाजपा जिस यूसीसी की बात कर रही है दरअसल उसकी फुल फार्म कुछ और है, यूसीसी = अंडरग्राउंड कम्युनल कॉन्सिपेरी' इसके बाद अखिलेश ने स्लोगन अंदाज में एक कविता भी लिखी है। उन्होंने कहा कि सरकार को यूसीसी लाने से पहले अपने पुराने वादे पूरे करने चाहिए। अखिलेश ने लिखा, 'पहले पिछले वादे निभाओ, यूसीसी फिर बाद में लाओ।' उन्होंने 15 लाख रुपये खाते में पहुंचाने, दो करोड़ नौकरियां देने, युवाओं को रोजगार दिलाने, स्कूलों को बंद होने से बचाने और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

### भाजपा शासित राज्यों में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की कही थी बात



### यह कानून संविधान के खिलाफ : ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी यूसीसी का विरोध किया है। भीषण में उन्होंने कहा कि ऐसा कानून संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 14 और 29 के खिलाफ है। ओवैसी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता को समाप्त करके इस तरह का कानून लागू नहीं किया जा सकता। राज्यों के जरिये लागू करने की कोशिश क्यों : उमर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अगर भाजपा के पास संसद में यूसीसी बिल पास कराने के लिए पूर्णतः संख्या है तो उसे वहीं बिल पेश करना चाहिए। इसे अलग-अलग राज्यों के जरिए लागू करने की कोशिश क्यों की जा रही है। एनडीए में सभी दल इस मुद्दे पर सहमत नहीं हैं।

### एनडीए में शामिल जदयू ने भी किया विरोध

वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में यूसीसी लागू नहीं होने देगा। जदयू नेता श्याम रजक ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी का समर्थन करती है, लेकिन बिहार में इसे लागू नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि जदयू अपने इस रुख पर कायम है। इसको लेकर जदयू नेता संजय झा अमित शाह से मुलाकात करेंगे। वहीं, बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। हालांकि, भाजपा की सहयोगी एनसीपीआई ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है और प्रस्ताव आने के बाद चर्चा करने की बात कही है।

'देश में यूसीसी लागू करना असंभव' : दारुल उलूम के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी ने यूसीसी का विरोध करते हुए कहा कि इसे देश में लागू करना असंभव है। उनका कहना है कि भारत में अलग-अलग समुदायों के अपने पर्सनल कानून हैं।

### तीन सहयोगी दलों ने किया समर्थन

एनडीए के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाज मोर्चा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के समर्थन की बात कही है। लोकसभा में टीडीपी नेता लावू कृष्ण देवरायु ने कहा कि पार्टी यूसीसी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी। फिलहाल इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। टीडीपी और जदयू पहले यूसीसी से जुड़े कानून का विरोध कर चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद टीडीपी के एनडीए में शामिल होने से पहले चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि यूसीसी के मुद्दे पर पार्टी मुस्लिम समुदाय के साथ खड़ी रहेगी।

### यह कहा था शाह ने

दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा-एनडीए शासित 21 राज्यों में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा।फिलहाल देश में 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में यूसीसी बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में यूसीसी का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं।

### स्वतंत्र भारद्वाज को 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सीजेपी प्रदर्शन के दौरान मारपीट के मामले में आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। यह मामला जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग प्रदर्शनकारी के पिता से कथित मारपीट से जुड़ा है। भारद्वाज के खिलाफ मारपीट के साथ-साथ एससी/एसटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत भी केस दर्ज किया गया है।

## सबसे कम कीमत पर

### Machine Made Jewellery

Gold Rate (x) \* with Making %

| 22k Gold Value | Making Charges | Total %  |
|----------------|----------------|----------|
| 91.6%          | + 1.99%        | = 93.59% |

Jewellery Price\* per 10 grams.

# ₹ 1,41,304/-

making charges included

## anand Gold

पंडरी, रायपुर

## बाल यौन शोषण, भारत को रिपोर्ट करेगा मेटा सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

मेटा ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार का दबाव बढ़ रहा है। खासकर बच्चों से जुड़े यौन शोषण के कंटेंट को लेकर कंपनियों से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग यानी एनसीपीसीआर ने मेटा के अधिकारियों को भी बुलाया था। आयोग की तरफ से कंपनी से ऐसे कंटेंट की पहचान, उसे हटाने और मामलों की रिपोर्टिंग को लेकर जवाब मांगा गया था।

नहीं रहेगी। भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार का दबाव बढ़ रहा है। खासकर बच्चों से जुड़े यौन शोषण के कंटेंट को लेकर कंपनियों से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग यानी एनसीपीसीआर ने मेटा के अधिकारियों को भी बुलाया था। आयोग की तरफ से कंपनी से ऐसे कंटेंट की पहचान, उसे हटाने और मामलों की रिपोर्टिंग को लेकर जवाब मांगा गया था।

### इंस्टाग्राम-फेसबुक पर क्या बदलेगा?

मेटा के पास इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे बड़े प्लेटफॉर्म हैं। भारत में इनका इस्तेमाल करोड़ों लोग करते हैं। ऐसे में बच्चों से जुड़े किसी भी गंभीर मामले में प्लेटफॉर्म की भूमिका काफी अहम हो जाती है। मेटा पहले से ही एआई और दूसरी तकनीक को मदद से बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को पहचानने और हटाने का काम करता है।

### इंस्टाग्राम पर यह है आरोप

इससे पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली पुलिस को उन आरोपों की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया था, जिनमें कहा गया था कि मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों के जरिए भारत में चाइल्ड सेक्सुअल एब्ज्युट मटेरियल को बढ़ावा दिया गया। आयोग ने निर्देश दिया था कि क्या टेक कंपनी और दूसरे संबंधित पक्षों ने पारको एक्ट के तहत अनिवार्य रिपोर्टिंग से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन किया था।

## अमेरिका ने अंतरिक्ष में भी तैनात किए हथियार

एजेंसी ►► वाशिंगटन

अमेरिका ने बड़ा कबूलनामा किया है। अमेरिका ने पहली बार आधिकारिक तौर पर माना है कि उसके हथियार अंतरिक्ष में तैनात हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने एक बयान जारी कर कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को दुश्मनों से बचाने के लिए हथियार अंतरिक्ष में मौजूद हैं। हालांकि यूपएस स्पेस फोर्स ने यह नहीं बताया कि किस तरह के हथियार तैनात किए गए हैं। यह जानकारी अमेरिकी वायु सेना के सचिव ट्रॉय मीक ने पूरी दुनिया को दी है। उन्होंने बताया है कि अमेरिका ने अंतरिक्ष की कक्षा में हथियार तैनात कर दिए हैं। नेशनल हाबर्न में आयोजित 'एयर, स्पेस एंड साइबर कॉन्फ्रेंस' के दौरान दिए गए अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ये हथियार अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के अंतरिक्ष उपकरणों की रक्षा करने और दुश्मन के हमलों को नाकाम करने में सक्षम हैं।

### सीआरपीएफ कोबरा यूनिट की पहली महिला आईजी बनी संजुक्ता

नई दिल्ली। 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी संजुक्ता पाराशर को सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट का आईजी नियुक्त किया गया। कोबरा का पूरा नाम कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन है। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। सीआरपीएफ मुख्यालय ने पिछले हफ्ते उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था। जानकारी आज सामने आई है। वह 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी दानेश राणा की जगह लेंगी। संजुक्ता पाराशर असम-मेघालय केडर की आईपीएस अधिकारी हैं।

## बंगाल की राजनीति में हलचल

एजेंसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई, जब ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से बगावत कर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का हिस्सा बने सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की चर्चाएं सामने आईं। कुचबिहार से सांसद जगदीश चंद्र बसुनिया ने दावा किया था कि दुर्गा पूजा से पहले या बाद में 17 बागी सांसद एक



साथ भाजपा का दामन थामेंगे। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए बागियों के लिए पार्टी के दरवाजे बंद होने का साफ संदेश दे दिया है।

कौन हैं टीएमसी के 17 बागी सांसद? : तृणमूल कांग्रेस से बगावत कर एनसीपीआई में गए 20 में से 17 सांसदों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। ये वही सांसद हैं जिन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी, लेकिन बाद में ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अलग गुट बना लिया। कुचबिहार सांसद जगदीश बसुनिया ने इन 17 सांसदों के भाजपा में जाने की बात सार्वजनिक तौर पर कही। लिस्ट में बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तौबाद, बीरभूम से वरिष्ठ सांसद और अभिनेत्री शताब्दी रॉय, बांकुड़ा से सांसद अरूप चक्रवर्ती, आरामबाग सांसद मिताली बाग, झाड़ग्राम के सांसद कार्लोपद सोरेन, सांसद सुदीप बंधोपाध्याय समेत 17 नाम शामिल हैं।

### भाजपा ने क्यों फेरा मुंह?

पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने साफ किया कि टीएमसी या एनसीपीआई से किसी भी सांसद को भाजपा में शामिल करने की पार्टी की कोई योजना नहीं है। भट्टाचार्य ने कड़े शब्दों में कहा कि कोई केवल भाजपा में आना चाहता है, इसलिए उसे पार्टी में जगह नहीं दी जा सकती। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जनता तृणमूल शासन के दौरान इन नेताओं द्वारा किए गए अत्याचारों को नहीं भूलती है। बंगाल के लोगों ने जिस उत्पीड़न का सामना किया है, केवल पार्टी का झंडा बदल लेने से वो धुल नहीं जाएंगे।

## दिल्ली एयरपोर्ट पर लगे 'स्पाइसजेट हाय हाय' के नारे, जमकर किया हंगामा

24 घंटे से ज्यादा लेट हो गई स्पाइसजेट की दो फ्लाइट

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट पर सोमवार को अजीब स्थिति हो गई। दुर्बई जाने वाली दो उड़ानों में 24 घंटे से भी ज्यादा की देरी की वजह से नाराज यात्री एयरपोर्ट पर धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी यात्री 'स्पाइसजेट चोर है', 'स्पाइसजेट हाय हाय' के नारे लगाए। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि संचालन में देरी की वजह से SG 5111 और SG 5105 की उड़ानों में देरी हुई। एक विमान को ग्राउंड किए जाने के बाद ऑपरेशनल कारणों से दोनों फ्लाइट्स में देरी हुई। प्रवक्ता ने कहा कि प्रभावित मुसाफिरों के लिए दूसरे विमानों का इंतजाम किया गया। असल में, SG 5111 फ्लाइट को सोमवार को सुबह 7.45 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन इसे मंगलवार सुबह 9 बजे ही री-शेड्यूल कर दिया गया। वहीं दूसरी फ्लाइट SG 5105 को

पलाइट लेट, एयरपोर्ट पर धरने पर बैठे यात्री



मंगलवार को ही शाम 6.45 बजे के लिए री-शेड्यूल कर दिया गया। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इसकी वजह से दोनों विमानों के यात्री सोमवार को एयरपोर्ट पर फंस गए और धरना प्रदर्शन करने लगे। यह स्थिति बनी रही। मंगलवार को भी यात्रियों को फ्लाइट को लेकर कोई सूचना नहीं थी।

### स्पाइसजेट का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था

सूत्रों ने बताया कि काफी देर तक यात्रियों की समस्याओं को सुनने या उनका समाधान करने के लिए स्पाइसजेट का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। बाद में, एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने स्थिति संभाली, यात्रियों को खाना-पानी दिया और उनके आराम करने के लिए जगह का इंतजाम किया। एयरपोर्ट के वीडियो में नाराज यात्रियों को धरने पर बैठे और रहने की व्यवस्था की मांग करते हुए देखा गया। वे स्पाइसजेट कर्मचारियों की गैर-मौजूदगी पर सवाल उठा रहे थे। एक यात्री ने कहा, स्पाइसजेट के कर्मचारी हमसे बात करने के लिए सामने नहीं आ रहे हैं। एक और वीडियो में, स्थिति को कैमरे में कैद रहे एक यात्री की एयरपोर्ट के एक अधिकारी से बहस हो गई। बहस के दौरान अधिकारी आपा खो बैठे, जिससे यात्री और भी नाराज हो गए, जो पहले से ही लंबी प्रवेशन थे।

### 'बाहर चले जाइए या रिफंड ले लीजिए'

वीडियो में अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया, आप बाहर चले जाइए या रिफंड ले लीजिए। कोई भी फ्लाइट से नहीं जाएगा। कृपया यहां वीडियो रिकॉर्ड न करें। इसकी जांचजत नहीं है। आपको ऐसा करने का अधिकार नहीं है। अधिकारी के बर्ताव पर भड़के यात्रा : यात्री ने अधिकारी के बर्ताव पर सवाल उठाते हुए कहा, मैं आपकी बात सुन रहा था, लेकिन आप मुझ पर चिल्ला रहे हैं। यह बिल्कुल भी प्रोफेशनल्स रवैया नहीं है। हमारे सवालों का जवाब देने के लिए स्पाइसजेट का कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है। हमने अपनी फ्लाइट्स के लिए बहुत पैसे खर्च किए हैं।

### ए राजा-सेकर बाबू समेत तीन पर पुलिस ने दर्ज किया केस

चेन्नई। तमिलनाडु की सियासत में मुख्यमंत्री सीएम विजय को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। हालिया पार्टी प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणी करने के आरोप में डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ए राजा और पीके सेकर बाबू समेत तीन नेताओं के खिलाफ पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। मामले में डीएमके के उप महासचिव ए राजा, पूर्व मंत्री पीके सेकर बाबू और पार्टी विधायक वसंतम कार्तिकेयन का नाम शामिल है। इन पर 12 सितंबर को कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में अलग-अलग थानों में मामले दर्ज किए गए हैं।

धार्मिक

डा. प्रकाश पतंगीवार

# बालोद जिले के गुरुर में सोमवंशी नरेश के कार्यकाल में स्थापित गणेश मंदिर

**ब**ालोद जिले का ग्राम कोलिहामार विकासखंड गुरुर का उपनगर है। यहां तालाब किनारे स्थापित गणेश प्रतिमा 12 वीं शताब्दी की बताई जाती है। कन्हार देव ने कांकेर गढ़िया राजा को मारकर इसे राजधानी बना ली। प्रणाम बताते हैं कि यह प्रतिमा भी कांकेर नरेश के समय की है। सोमवंशी विष्णु, शिव और गणेश के उपासक थे। वे अपने राज में नायकों द्वारा मूर्तियों को खुदवा कर स्थापित कर देते या वृक्ष के नीचे रख देते थे। तालाब पार की प्रतिमा दीमकों की बाखी से निकली। ग्रामीणों



द्वारा लगातार पानी डालते रहने से मूर्ति का साक्षात्कार हुआ और उसे तालाब किनारे ही स्थापित कर दिया गया। अब तो तालाब का नाम भी गणेश तालाब पड़ गया है। अवधारणा है कि गणेश प्रतिमा तालाब के भीतर से निकाली गई। मंदिर परिसर में प्रतिमा के साथ साथ गरुड़ चक्र, अप्सरा की एक शिला पट्टी और शिला स्तम्भ पर राम सीता और लक्ष्मण साथ में हनुमान जी का अंकन भी 12 वीं शताब्दी का ही बताया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को यहां मेला भी लगता है।

लोकगीत

सरला शर्मा

## छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की भावभूमि

**छ**त्तीसगढ़ी में कुछ विद्वानों ने लोरी को लोकगीतों से भिन्न गीत, परंपरा की विशेष विधा के रूप में चिन्हित किया है, तथापि इसमें दो राय नहीं कि लोक माताओं के कंठ से ममता भरा यह गीत विभिन्न अंचलों में सदियों से अलग-गढ़ गीत बनकर संतान की मंगल कामना के लिए गाया जाता रहा है, अतः लोरी को लोकगीतों में शामिल करना उचित है। संसार की पहली मां ने अपने संतान को मीठी नींद सुलाने के लिए, कौर खिलाने के लिए, उसकी मंगल कामना के लिए जो गुनगुनाया होगा, वही पहली लोरी गीत रही होगी, किन्तु लिखित इतिहास तो उपलब्ध नहीं है, वाचिक परंपरा का गीत है। छत्तीसगढ़ की एक प्रसिद्ध लोरी गीत -

धीरे बाने आबे निंदिया, हाथ बाजे झन गोड़।

सोवत बाढ़े मोर दुलरवा, देहे कान होवय पोड़।

लोकगीत लोक मानस का प्रतिबिम्ब है और लोकालय है समाज। फलस्वरूप समाज में आए आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक परिवर्तनों का प्रभाव लोकगीतों पर पड़ना स्वाभाविक है, किन्तु यह प्रभाव लय, प्रस्तुति और भाव संश्लेषण पर ही पड़ता है। माटी की गंध, श्रम बिंदु की अनुकूलता लोकगीतों में बरकरार रहती है। उत्सवधर्मिता लोकगीतों का मूल आधार है, सहयोगिता, सदभावना इसके दो स्तम्भ हैं।

ऐतिहासिक

डा. टी. आर. रामटेके

## राजधानी रतनपुर के काल में गणेश बंगला

**प्रा**चीन छत्तीसगढ़ में जब राजधानी रतनपुर रहा, उस समय कलचुरी शासक रत्नदेव ने गजकिला का निर्माण किया था। यह उत्तर दक्षिण दिशा में लगभग 1000 मी. लम्बा पूर्व पश्चिम लगभग 700 मी. चौड़ा में बैठे हुए हाथी सदृश्य दिखाई देता है, इसलिए इस किला को गज किला कहते हैं। किले की परिखां, प्राकार, प्रवेश द्वार का स्थापत्य कला प्रशंसनीय है। रनिवास में प्रवेश द्वार, खिड़कियां व रोशनदान उचित स्थान पर निर्मित है। प्रथम तल के कक्ष के गलियारे की छत निर्माण में काष्ठ स्तम्भों का प्रयोग किया गया है। दीवार के शीर्ष स्थान में अर्धवृत्ताकार कंगरे निर्मित हैं। उक्त भवन की एक दीवार में वृताकार रोशनदान है, जिसके चारों ओर ज्यामितीय अलंकरण चक्र आकार में निर्मित है।

यहां से कुछ दूरी पर दक्षिण दिशा में संगीत भवन निर्मित है। इस भवन के उत्तरी दिशा में प्रवेश द्वार है, जिसके दोनों ओर खिड़कियां हैं। भवन के निर्माण में ईंटों का प्रयोग चूना मसाला के साथ किया गया है। प्रथम तल के कक्ष के बाहर की ओर 3 खुले द्वार हैं। इससे लगा हुआ संगीत कक्ष है, जिसमें कलाकार संगीत साधना करते थे। संगीत भवन की छत काष्ठ स्तम्भ व लकड़ी से निर्मित है, जिसके ऊपर ईंट व चूना मसाला का प्रयोग किया गया है, संगीत भवन को गणेश बंगला भी कहा जाता है।

लोक साहित्य

उर्मिला शुक्ल

## छत्तीसगढ़ी की यथार्थ परक कविताएं

**का**र्ला मार्क्स की सामाजिक समानता ने सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित किया। यह प्रभाव केवल राजनैतिक और सामाजिक स्तर पर ही नहीं पड़ा, विश्व साहित्य पर भी इसका प्रभाव पड़ा। हिन्दी साहित्य में प्रगतिवाद पूर्ण रूप से और शेष युग यथा -नई कविता इसे आंशिक रूप से आत्मसात करती है। सच तो यह है कि प्रगतिवादियों से लेकर आज तक साहित्य और यथार्थ का घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है।

सच यह भी है कि मार्क्स का यह विभाजन बहुत प्रभावी भी रहा है। सारी दुनिया शोषक और शोषित में बंटी हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि शोषक और शोषितों की कोई जाति नहीं होती। इसलिए समयानुसार इसमें बदलाव आता गया है। उदाहरण स्वरूप सम्पूर्ण देश में शोषण का मुख्य आधार जातिगत है तो छत्तीसगढ़ में इसका आधार प्रदेशगत है। यहां पर बाहर से आकर बसने वालों को शोषक माना गया और उनके प्रति आक्रोश भी जाहिर हुआ

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी विडंबना रही है कि यहां प्राकृतिक सम्पदा का अकूत भंडार है, फिर भी यहां के लोग गरीब कहलाने को अभिशप्त हैं। इसे रेखांकित करती हुई अनेक कविताएं हैं जो छत्तीसगढ़ियों की विरोधाभासी स्थिति का चित्रण करती हैं। इस पर चित्रित करता डा. पीसी लाल यादव की यह कविता -

हमर मुंह पैरा अउ तोर मुंह खेरा,  
मुसुआत कब ले तै मसकबे बिलई।  
तोर मोर दोगला हमला मिले नहीं फोकला,  
मुखिया अव कहिके धमकस गुदा मलाई।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- [Choupalharibhoomi@gmail.com](mailto:Choupalharibhoomi@gmail.com)

परंपरा : राजेंद्र कुमार

## छत्तीसगढ़ के लोक पर्व पर मातृ पूजन

**छ**त्तीसगढ़ में गिरी कन्या उमा की माता मैना के नाम पर मातृ पूजन की परंपरा आज भी विद्यमान है- भू जल पवनि अगासीन माई, मयना वन वाराही सुहाई। सुमरि सुमरि मैं तुमहि मनावों, जनम जनम शिव जी पति पावों।

अंचल में बेटियों के ममता संरक्षण और पोषण की भावना से समृद्ध यह परंपरा खेतों के विकसित धान को भी दिव्य पुत्री और मां अन्नपूर्णा स्वरूप मान कर गर्भावली पूजन तथा चीला चढ़ाने के रूप में मनाया जाता है। पोला पर्व की पूर्व रात्रि को बैगा सिरहा, सियान व किसानों द्वारा घूम घूम कर समस्त ग्राम देवी देवताओं के पूजा अनुष्ठान और फसल संरक्षण तथा समृद्धि की कामना सहित गर्भावली या गरब पूजा नाम से मनाया जाता है। इस समय रविवार के दिन कृषक गण अपने हरे भरे गभऊत लिए धान के खेतों में गुरहा चीला और रोठ चढ़ाते हैं। इसी क्रम में सधौरी पूजन, गौ माता पूजन, छेवारी पूजन, माता परमेश्वरी, माता भुवनेश्वरी पूजन और छठी माई पूजन करते हैं।

गांव की कहानी: डा. राघवेंद्र कुमार 'राज'

सुरता

विजय कुमार कश्यप

## देश भक्ति का जूनून रहा शहीद बलराम सिंह में

धमतरी जिले के मगरलोड विकास खंड अंतर्गत भेंडरी नामक गांव के किसान परिवार शहीद बलराम सिंह ध्रुव का जन्म हुआ। स्कूली जीवन से मेधावी रहे इस छात्र की एन. सी. सी. खेलकूद के अलावा साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में गहरी रूचि थी।

लोक नाट्य मंडलियों में सैनिक के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते थे। 22 वर्ष की उम्र में कालेज की पढ़ाई छोड़ सेना में भर्ती हो गए। 26 मार्च 2003 को जम्मू कश्मीर के डोडा ग्राम में 15 बटालियन की टुकड़ी सर्च एंड डिस्ट्रॉय मिशन के तहत आतंकवादियों की तलाश में निकली थी। इस दौरान आतंकवादी पर बलराम की नजर पड़ी, तो उन्होंने एक आतंकवादी को ढेर कर दिया, अन्य आतंकवादी घर में छुप कर गोलीबारी करने लगे। इस बीच बलराम के सीने और कंधे पर तीन गोली लगने के बाद भी साहस से

लड़ते रहे। इधर बलराम के नौजवान साथी अन्य दो आतंकवादियों को खत्म कर दिए। जख्मी बलराम सिंह कुछ समय पश्चात वीर गति को प्राप्त हो गए। 25 वर्षीय इस वीर नौजवान की बहादुरी और शहादत सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। तथा युवाओं में देश भक्ति की भावना जागृत करने के लिए प्रेरणा है। इस वीर सपूत की स्मृति में शासकीय हाई स्कूल का नाम शहीद बलराम सिंह ध्रुव के नाम पर रखा गया है, तथा सेना दिवस के अवसर पर मरणोपरांत 15 जनवरी सन 2005 को वीरता के लिए सैनिक मैडल से सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि

भक्तिभावों की दिव्य भूमि रही है वन्यप्रांतों व कलकल निनाद करती सरिताओं, पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य बसा छत्तीसगढ़ अपने अंतर्स्थल में अनेक पौराणिक गाथाओं व लीलाओं को संजोए रखा है। इसलिए छत्तीसगढ़ की सनातनी गौरवशाली विरासत की कोई शानी नहीं है। यहां गांवों के नामकरण के पीछे भी कहानियां जुड़ी हुई हैं। तभी तो कवि-वाणी गुंज उठती है-

बड़ी अजीब है इस गांव की कहानी।  
चरण धोता है जिनके ये आंखों का पानी।  
दुनिया अनजान है जिनके दास्तां से.....  
वहीं शौर्यगाथा गणेश की कहती ये मुंहजबानी।

पौराणिक गाथाओं के अनुसार कैलाश पर्वत पर और स्थानीय व क्षेत्रीय मान्यताओं के अनुसार छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले से 13 किमी दूर बैलाडीला पहाड़ियों पर परशुराम और भगवान गणेश जी के मध्य घमासान युद्ध हुआ। परशुराम जी के द्वारा शिवजी के दिव्य शस्त्र फरसे से वार किया गया। इस शस्त्र के वार को पिता शिवजी के मान रखने हेतु गणेश जी ने अपने दांत को ढाल बनाया। इसलिए उन्हें एक दांत खोना पड़ा और वे एकदंत कहलाए। इस फरसे के प्रयोग के कारण ही पर्वत की तराइयों में बसा गांव का नाम फरसपाल पड़ा। पौराणिक कथा कहती है कि- परशुराम अपने आराध्य देव महादेव जी के दर्शन करने कैलाश पर्वत पहुंचे थे। गणेश जी द्वारा रोके गये। परशुराम को अपमानित व तिरस्कृत होने की अनुभूति हुई और उन्होंने युद्ध का आह्वान किया।

ऐतिहासिक दृष्टि से 11वीं शताब्दी के दौरान छिंदक नागवंशों के राजाओं ने 3 हजार ऊंची पहाड़ियों पर ढोलकल गणेश जी की स्थापना की। यहां का इतिहास हजार साल पुरानी है। यहां की ऐतिहासिक प्रतिमाएं सदियों तक छिपी रहीं। जो पुनः 2012 में अस्तित्व में आयी। ऐसा कहा जाता है कि -सर्व प्रथम पूजन-अर्चन भोगा जनजाति आदिवासी महिलाओं ने की। आज भी इस महिला के वंशज पूजा पाठ करते हैं। फरसपाल गांव की कहानी यही कहती है कि- दुनिया को युद्ध की नहीं बल्कि प्रेम और शांतिमय संगीत की जरूरत है। संगीताकृति ढोलकल गणेश जी का संसारवासियों के लिए यही संदेश है। अंत में -

उमस भरी जिन्दगी में एक प्रेम की हसीन बरसात जरूरी है। नफरतों के बीच ही सही पर एक मुलाकात जरूरी है।



### अमेजन ने भारत में बढ़ाया नेटवर्क, 20 नए भंडार जोड़े

**नई दिल्ली।** ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन ने आगामी त्योहारी सत्र से पहले भारत में अपने परिचालन नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। कंपनी ने 20 नए भंडार एवं वितरण केंद्र (एफसी), छह छंटाई केंद्र और 150 ऑटोम छोर तक आपूर्ति करने वाले डिलिवरी स्टेशन शुरू किए हैं। अमेजन ने बयान में कहा कि यह विस्तार कंपनी द्वारा भारत में अपने परिचालन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए घोषित 2,800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का हिस्सा है।

### रुपया 38 पैसे लुढ़ककर 95.92 प्रति डॉलर पर

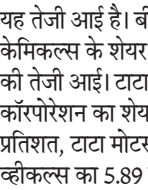
**मुंबई।** अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 38 पैसे लुढ़ककर 95.92 (अस्थायी) पर रहा।



पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग ने भारत के बाहरी संतुलन और मुद्रास्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

### टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में तेजी

**नई दिल्ली।** टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्यूमीना 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा।



यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्यूमीना 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा।

### आरबीआई ने वीआरआरआर से जुटाई 3.93 लाख करोड़

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिये मंगलवार को



3,93,352 करोड़ रुपये की नकदी जुटाई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय बैंक को अधिसूचित पांच लाख करोड़ रुपये की राशि के लिए 3,93,352 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। इन बोलियों को 5.24 प्रतिशत की ‘कट-ऑफ’ दर और भारित औसत दर पर स्वीकार किया गया।

### प्रणव कंस्ट्रक्शंस का शेयर 6 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध



**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस के शेयर अपनी सूचीबद्धता के दिन मंगलवार को 124 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले छह प्रतिशत से अधिक चढ़कर बंद हुए। कंपनी का शेयर बीएसई पर 162 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 30.64 प्रतिशत अधिक है। एक समय यह 32.66 प्रतिशत चढ़कर 164.50 रुपये तक पहुंच गया था। हालांकि, बाद में इसने ज्यादातर बढ़त गंवा दी और 4.51 प्रतिशत बढ़त के साथ 129.60 रुपये पर बंद हुआ।

# इंजीनियरिंग में नौकरियों से कहीं अधिक उम्मीदवार उपलब्ध

एजेंसी ►► मुंबई

इंजीनियरिंग क्षेत्र में उम्मीदवारों की उपलब्धता और भर्ती की मांग के बीच अंतर बढ़ रहा है। प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करने वाले उम्मीदवार कुल प्रतिभा का 45 प्रतिशत हैं, जबकि ऐसी नौकरियों की मांग केवल 28 प्रतिशत है।

एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। प्रतिभा मंच फाउंडेट (मॉन्स्टर) की रिपोर्ट के अनुसार, इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की उपलब्धता और मांग के बीच सबसे

## सोना 1,000 रुपए टूटकर पांच सप्ताह के निचले स्तर पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को कमजोर वैश्विक रुख और मजबूत डॉलर के बीच सोने की कीमतें 1,000 रुपये टूटकर 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रह गईं, जो एक महीने से ज्यादा का निचला स्तर है। यह कीमती धातु इससे पहले सात अगस्त को इसी स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी, जब स्थानीय बाजार में इसकी कीमत 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम थी।



स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमतें लगातार दूसरे दिन 2,34,600 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर

रहीं। एचडीएफसी सिक्नोरिटी में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ‘‘मंगलवार को कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमतों में गिरावट आई। हाजिर सोना 4,300 डॉलर प्रति औंस से नीचे फिसल गया और एक महीने के निचले स्तर के करीब कारोबार कर रहा है।’’ गांधी ने आगे कहा कि यह गिरावट मजबूत अमेरिकी डॉलर और बढ़ते बाण्ड प्रतिफल के कारण आई है, क्योंकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने महंगाई की चिंता बढ़ा दी है और इस सप्ताह होने वाली नीतिगत बैठक में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावनाओं को मजबूत किया है।

## प्रतिभा मंच फाउंडेट ने जारी की रिपोर्ट

### अगस्त में 6.68 लाख नौकरियां उपलब्ध थीं

अगस्त, 2026 के अनुमान के अनुसार, कुल 39.59 लाख सक्रिय इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के मुकाबले इंजीनियरिंग पुरुषार्थि वाली 6.68 लाख नौकरियां उपलब्ध थीं। यानी हर एक नौकरी के लिए 5.9 उम्मीदवार थे।



### करियर के शुरुआत में उपलब्धता सबसे अधिक होती है

रिपोर्ट के अनुसार, इंजीनियरिंग करियर की शुरुआत में उम्मीदवारों की उपलब्धता सबसे अधिक होती है और तीन साल से अधिक अनुभव होने के बाद यह काफी कम हो जाती है।

### एस्सार की ईईटी करेगी एसजीएन का अधिग्रहण

**नई दिल्ली।** एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन की खुदरा इकाई ने ब्रिटेन की पेट्रोल पंप संचालक कंपनी एसजीएन रिटेल का अधिग्रहण करने के लिए करार किया है। यह सौदा करीब 40 करोड़ पाउंड का



बताया जा रहा है। इससे उसके नेटवर्क में 118 पेट्रोल पंप जुड़ जाएंगे और कुल नेटवर्क बढ़कर 235 पेट्रोल पंप का हो जाएगा। ईईटी रिटेल ने बयान में कहा कि उसने ग्राहम पीकांक और सुसान टोबेल द्वारा स्थापित एसजीएन रिटेल की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने पर सहमत जताई है। कंपनी ने सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया है।

## सबसे कम कीमत पर Handmade Jewellery Gold Rate (x) \* with Making %

| 22k Gold Value                 | Making Charges | Total %  |
|--------------------------------|----------------|----------|
| 91.6%                          | + 2.99%        | = 94.59% |
| Jewellery Price* per 10 grams. |                |          |
| ₹ 1,42,814/-                   |                |          |
| making charges included        |                |          |

anand® Gold पंडरी, रायपुर

## पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में तेज वृद्धि से निर्यात बढ़ा

# निर्यात अगस्त में 26 फीसदी बढ़कर 44 अरब डॉलर, व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में तेज वृद्धि के कारण कुल निर्यात बढ़ा है। वहीं सोने के आयात में कमी से व्यापार घाटा भी कम होकर पांच महीने के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया। आयात अगस्त में 14.1 प्रतिशत बढ़कर 70.76 अरब डॉलर रहा।

पिछले महीने वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल के बीच रही। निर्यात में अगस्त महीने में वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे अधिक रही। जून, 2022 में निर्यात 30.12 प्रतिशत बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान निर्यात 17.85 प्रतिशत बढ़कर 215.91 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 18.21 प्रतिशत बढ़कर 363 अरब डॉलर रहा।

### खास बातें

- ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल रही
- निर्यात में अगस्त महीने में वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे अधिक रही



**पेट्रोलियम, कोयला ऊर्जा के कारण व्यापार घाटा बढ़ा:** अगवाल ने कहा कि मुख्य रूप से पेट्रोलियम, कच्चा तेल, कोयला, कोक और ब्रिकेट जैसे ऊर्जा उत्पाद तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान के कारण व्यापार घाटा बढ़ा है। उन्होंने निर्यात के मोर्चे पर कहा कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन और कपड़े सहित कई वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि से कुल निर्यात बढ़ा है।

### व्यापार घाटा बढ़कर 147.09 अरब डॉलर

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 147.09 अरब डॉलर हो गया, इससे पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान यह 123.88 अरब डॉलर था। बीते साल अगस्त में व्यापार घाटा 27.22 अरब डॉलर और जुलाई में 31.98 अरब डॉलर था। इससे पहले मार्च में यह 20.67 अरब डॉलर के निचले स्तर पर रहा था। देश का सोने का आयात अगस्त में 57.7 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रहा, जो अगस्त, 2025 में 5.4 अरब डॉलर था।

### निर्यात वृद्धि की गति बनी हुई

वाणिज्य सचिव राजेश अगवाल ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि निर्यात वृद्धि की अच्छी गति बनी हुई है और इसमें और तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में आयात में वृद्धि मजबूत घरेलू आर्थिक विस्तार, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और विनिर्माण क्षेत्र की तेज वृद्धि की बलाए रखने के लिए जरूरी महत्वपूर्ण कच्चे माल तथा अन्य वस्तुओं की मांग के कारण हुई है। इससे व्यापार घाटा भी बढ़ा है।

### ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 13.3 फीसदी बढ़ा

अगवाल ने कहा, ‘यूरोपीय संघ, ब्रिक्स देशों और उमरती अर्थव्यवस्थाओं से मांग में वृद्धि हुई है। यह भारत की वैश्विक पहुंच के विस्तार की दर्शाता है और हमारी मजबूती, विविधता तथा रणनीतिक व्यापार एकीकरण के लक्ष्यों को भी मजबूत करता है।’ वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 13.3 प्रतिशत बढ़कर 34.5 अरब डॉलर रहा।

### निर्यात में वृद्धि मात्रा के लिहाज से अच्छी रही

अगवाल ने कहा कि निर्यात में वृद्धि केवल मूल्य के लिहाज से ही नहीं, बल्कि मात्रा के लिहाज से भी अच्छी रही है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान कच्चे तेल को आयात बढ़कर 95.57 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 78.07 अरब डॉलर था।

### इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में वृद्धि

इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक सामान का आयात आलोच्य अवधि में बढ़कर 66.48 अरब डॉलर हो गया जो बीते वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 46.31 अरब डॉलर था। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान बढ़कर 35.31 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 25.32 अरब डॉलर था।

## भारत के चावल निर्यातकों की नजर जॉर्डन, तुर्किये पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय चावल निर्यातक पारंपरिक बाजारों से अलग तुर्किये और जॉर्डन जैसे नए और कम पारंपरिक बाजारों की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े आयातकों की तुलना में इन छोटे और तेजी से बढ़ते बाजारों से बेहतर लाभ मिल सकता है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब यह उद्योग अक्टूबर में होने वाले ‘भारतीय अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन’

(बीआईआरसी) 2026 की तैयारी कर रहा है। भारत के चावल निर्यातक पारंपरिक बाजारों के अलावा तुर्किये और जॉर्डन को विकास के अगले बड़े मौके के तौर पर देख रहे हैं। अक्टूबर में होने वाले ‘भारतीय अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन’ (बीआईआरसी) 2026 की तैयारी के बीच, भारतीय चावल निर्यातक तुर्की और जॉर्डन जैसे नए बाजारों पर ध्यान दे रहे हैं। सम्मेलन के आयोजकों के अनुसार, जॉर्डन को होने वाले भारतीय चावल के

निर्यात में लगभग आठ गुना बढ़ोतरी हुई है, जबकि तुर्किये को बासमती चावल का निर्यात दोगुना हो गया है। इस बदलाव ने व्यापार जगत को चौंका दिया है, क्योंकि आमतौर पर इनमें से कोई भी देश दुनिया के शीर्ष चावल आयातकों में शामिल नहीं रहा है। बाजार का यह रुख बीआईआरसी-2026 में ‘‘वर्ष 2027 में नजर रखने लायक शीर्ष 10 चावल बाजार: मांग के संकेत और प्रवेश की रणनीतियां’’ शीर्षक के सत्र का मुख्य विषय होगा।

# ग्रामीण विकास विभाग और पीएफआरडीए में हुआ एमओयू ‘पेंशन सखियां’ परिवारों में बढ़ाएंगी वित्तीय जागरूकता

एजेंसी ►► नई दिल्ली

ग्रामीण परिवारों में पेंशन के प्रति जागरूकता तथा सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग (डीओआरडी) और पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में ‘पेंशन सखियों’ के सामुदायिक स्तर पर संपर्क तंत्र को तैयार करने और उसे सहयोग देने की व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बयान में कहा कि एमओयू पर डीओआरडी के संयुक्त सचिव अमित शुक्ला और पीएफआरडीए की कार्यकारी निदेशक सुमीत कौर कपूर ने हस्ताक्षर किए।

**डिजिटल प्रणालियों का सहयोग** मिलेगा: मंत्रालय ने कहा कि यह सहयोग डिजिटल डैशबोर्ड और मोबाइल तथा वेब आधारित समाधान के जरिये संपर्क एवं पंजीकरण की निगरानी को भी मजबूत करेगा। इसमें विभाग की अपनी प्रणाली भी शामिल है। इससे संबंधित संस्थाएं प्रगति पर नजर रख सकेंगी और कवरेज में मौजूद कमियों की पहचान कर सकेंगी।

### बैंकिंग प्रतिनिधि सखियां भी शामिल

इस दौरान ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल भी मौजूद रहे। इसमें कहा गया कि इस साझेदारी का उद्देश्य दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीवाई-एनआरएलएम) के तहत बनाए गए व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाना है। इसमें बैंकिंग प्रतिनिधि (बीसी) सखियां भी शामिल हैं।

अधिक अंतर प्रवेश स्तर पर है। 0-3 वर्ष के अनुभव वाले पेशेवर सक्रिय इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के कुल पूल का करीब 45 प्रतिशत हैं, लेकिन उनके लिए उपलब्ध नौकरियों की हिस्सेदारी केवल 28 प्रतिशत है। इंजीनियरिंग क्षेत्र में कुल मांग में 4-10 वर्ष के अनुभव वाले लोगों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 54 प्रतिशत है। फाउंडेट के मुख्य उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीपीटीओ) तरुण शर्मा ने कहा, आज इंजीनियरिंग में करियर अब किसी एक क्षेत्र या पारंपरिक करियर मार्ग तक सीमित नहीं है।

## बेरोजगारी दर अगस्त में मामूली घटकर 5% पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अगस्त में मामूली घटकर पांच प्रतिशत रही। जुलाई में यह 5.1 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी



■ 15 और उससे अधिक आयु वर्ष के लोगों में रही यह दर

आ व धि क यानी निर्यात अंतराल पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, बीते साल अगस्त में भी बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर मासिक आधार पर अगस्त में घटकर 4.1 प्रतिशत हो गई। जुलाई में यह 4.5 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह आलोच्य महीने में मामूली बढ़कर 6.8 प्रतिशत रही जबकि जुलाई में यह 6.7 प्रतिशत थी। अगस्त, 2025 की तुलना में अगस्त, 2026 में कुल और

शहरी बेरोजगारी दर लगभग समान रही, जबकि ग्रामीण बेरोजगारी दर 0.2 प्रतिशत घटकर 4.1 प्रतिशत हो गई। अगस्त, 2025 में यह 4.3 प्रतिशत रही। जनवरी, 2026 के बाद ग्रामीण बेरोजगारी दर अगस्त में सबसे निचले स्तर पर रही। पंद्रह वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में बेरोजगारी दर लगातार तीसरे महीने घटी और अगस्त में 4.9 प्रतिशत रही। मई, 2026 में यह 5.4 प्रतिशत थी। ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर अगस्त में कम होकर 4.3 प्रतिशत रही जबकि जुलाई में यह 4.6 प्रतिशत थी। वहीं शहरी पुरुषों में यह 5.9 प्रतिशत से बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई।

### महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर घटी

महिलाओं में कुल बेरोजगारी दर लगातार दूसरे महीने घटकर अगस्त में 5.1 प्रतिशत रह गई। जून, 2026 में यह 5.9 प्रतिशत थी। ग्रामीण महिलाओं में बेरोजगारी दर अगस्त में घटकर 3.9 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 4.3 प्रतिशत थी। वहीं शहरी महिलाओं में यह पिछले महीने की तुलना में लगभग स्थिर रही।

### महिला व पुरुषों की दर में ज्यादा अंतर नहीं

सालाना आधार पर अगस्त, 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों की कुल बेरोजगारी दर में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। अखिल भारतीय स्तर पर अगस्त के मासिक अनुमान 3,70,160 लोगों से जुटाई गई जानकारी पर आधारित है।

## एमएलडी जहाज निर्माण केंद्र पर करेगी 27,000 करोड़ रुपए निवेश

एजेंसी ►► मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में दिधी बंदरगाह पर करीब 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से नया जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित करेगी जिससे करीब 90,000 रोजगार पैदा होंगे। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

■ देश का सबसे बड़ा जहाज निर्माण केंद्र होगा



### 90 हजार रोजगार पैदा होने का अनुमान

*फंडगवरी से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर देश का सबसे बड़ा जहाज निर्माण केंद्र (शिपयार्ड) बनाएंगी, जहां युद्धपोतों और वाणिज्यिक जहाजों का निर्माण किया जाएगा। शिपयार्ड में जहाज निर्माण के अलावा जहाज तोड़ने, जहाज पुनर्वसन और जहाज मरम्मत की गतिविधियां भी होंगी। उन्होंने कहा कि परियोजना से करीब 90,000 रोजगार पैदा होने का अनुमान है जिसमें से 15,000 प्रत्यक्ष और 75,000 अप्रत्यक्ष रोजगार होने की उम्मीद है।*

एनएसएचआईपीएमएल के जरिये संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, यह परियोजना आधुनिक जहाज निर्माण अवसंरचना तथा औद्योगिक एवं आपूर्ति श्रृंखला तैयार करेगी। इससे घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, प्रौद्योगिकी और निवेश आकर्षित करने, कुशल रोजगार पैदा करने तथा वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

## सुविधाकर्ता के रूप में काम करेंगी

पेंशन सखियां सामुदायिक स्तर पर सुविधाकर्ता के रूप में काम करेंगी और खास तौर पर एसएचजी सदस्यों, ग्रामीण महिलाओं, लघुप्रति दीवियों तथा अन्य ग्रामीण लोगों तक पहुंच बनाएंगी। वे परिवारों को पेंशन और सेवानिवृत्ति की योजना से जुड़ी जानकारी देंगी, पंजीकरण की प्रक्रिया में मदद करेंगी और पेंशन संबंधी सेवाओं को समझने में सहायता करेंगी।

### ग्रामीण परिवारों में बचत के तरीके अलग

इस अवसर पर कंसल ने कहा कि एसएचजी आंदोलन से जुड़े ग्रामीण परिवारों में बचत के तौर-तरीके, आजीविका एवं जोखिम की स्थिति अलग-अलग होती है। उन्होंने कहा, ‘‘सामाजिक सुरक्षा केवल कर्मजोरियों से बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों को निरंतर आर्थिक प्रगति के लिए प्रयास करने का मरोसा और मजबूती देने के बारे में भी है।’’



### पेंशन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी

इसके जरिये ग्रामीण परिवारों में पेंशन के प्रति जागरूकता, वित्तीय जागरूकता, पंजीकरण तथा उसके बाद सहायता को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल के तहत महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के संस्थागत दांचे की ताकत का इस्तेमाल किया जाएगा।







आयुर्वेदिक ताक़त,  
दर्द से तुरंत राहत

MRP  
₹ 120/-



साइड  
इफेक्ट  
रहित



प्रदिक्षा  
आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गठिया, हड्डियों का दर्द,  
मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात,  
संधिवात और मोच में तेज असर

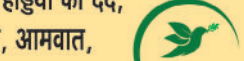
सुपर स्टॉकिस्ट

- पंकज मेडीकोज, बिलासपुर 6261187686
- राजनांदगांव ● महेश एजेंसी 700616262
- ताराचंद चितलाणीया & कं. 9907420754
- नथानी एजेंसी, रायपुर 7746032260

Customer Care : 1800 120 3133

Trade Enquiry : +91 9112637000, 9823286830, [www.pradikshaherbals.com](http://www.pradikshaherbals.com)

सभी प्रमुख  
मेडीकल्स में  
उपलब्ध



PRADIKSHA  
HERBAL

आरओ की जरूरत नहीं, लकड़ी से साफ होगा पानी, एमआईटी वैज्ञानिकों ने बनाया अनोखा फिल्टर

**वाशिंगटन।** अमेरिका की एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के इंजीनियरों ने लड़कानों से पानी को साफ करने का तरीका निकाला है। उन्होंने सेमपुड (पेड़ की छाल के नीचे की लकड़ी) से पानी के फिल्टर बनाए हैं। इस मशीनरियल में जाइलम नाम की छोटी-छोटी नलिकाएं होती हैं, जो पेड़ में पानी पहुंचाती हैं। इन नलिकाओं के छल्ले पतली प्राकृतिक बालों की तरह काम करती हैं। ये

पानी को गुजरने देती हैं, लेकिन गंदगी और अशुद्धियों को रोक लेती हैं। सिरचर्म के दौरान लैब टेस्ट में टूट किए गए फिल्टरों से ज्यादा इकोली और फौसरी रोटावायरस (अशुद्धि) को हटा दिया। सिरचर्म ने भारत के स्थानीय पेड़ों से बने फिल्टर का भी टेस्ट किया और एक आसान फिल्ट्रेशन सिस्टम बनाने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम किया। यानी भारत में भी ये तरीका काम कर सकता है।

## लकड़ी से पानी साफ करने की तकनीक आई सामने

## पेड़ की टहनियां फिल्टर में बदली

एमआईटी के इंजीनियरों ने सेपुडु की बनावट का इस्तेमाल करके पेड़ की टहनियों को फिल्टर में बदला। पाइन और जिंकगो जैसे बिना प्लुट वाले पेड़ों में सेपुडु में जाइलम होता है। यह स्ट्रुबेस जैसी नलिकाओं का एक नेटवर्क है, जो तने और टहनियों में पानी पहुंचाता है। ये नलिकाएं पतली फिलिलियां से जुड़ी होती हैं, जो छलनी का काम करती हैं। टॉम ने पहले दिखाया था कि इसका उत्तरोरुद्ध सेपुडु बेवैरिया को फिल्टर कर सकता है, लेकिन इस काम में उन समस्याओं को हल किया गया जो लकड़ी के सूखने पर आती थीं। ट्रेंट किए गए जाइलम फिल्टर का टेस्ट दो तरह की अशुद्धियों- ई. कोली और स्टोटावायरस के खिलाफ किया गया। लैब के प्रयोगों में फिल्टर ने दोनों को 99% तक हटाया।



### फिल्टर ने बैक्टीरिया को हटा दिया

रिसर्वन्स ने दृष्टिपूर्व झरने, जल और जमीनी पानी के स्रोतों के लिए पाप जमीन का टेस्ट किया और पाप का फिल्टर बैक्टिरिया को हटा सकता है। रिसर्वन्स ने फिल्टर के डिजाइन को बेहतर बनाने के लिए इसका स्रोत से मिले फोस्फोरिक का इस्तेमाल किया। झरने के बाद रिसर्वन्स इस टेक्नॉलॉजी को भारत ले आये, ताकि यह देश का सके वि. यह लैब के बाहर कैसा काम करता है। टीम ने दो साल तक भारत में पहाड़ी और शहरी इलाकों में अलग-अलग संगठनों के साथ काम किया और स्थानीय पाइप के पेड़ों से बने फिल्टर का टेस्ट किया। फिल्टर में स्थानीय पानी के पानी के स्रोतों में पाए जाने वाले बैक्टिरिया को हटा दिया। भारत में किए गए फोल्डबक से इस्तेमाल के लिए एक अच्छा प्रोटोटाइप तैयार हुआ है।

## कैसे करेगा काम

इसे इस्तेमाल करने के लिए ऊपर लगे एक बर्तन में पानी भरते हैं। इससे पानी एक मीटर लंबी ट्यूब से नीचे बहता है और जाइलम फिल्टर से गुजरकर ऑल्ट्रा-ट्रोपोइल टॉटी से निकलता है। घरों की जरूरत के हिसाब से फिल्टर को रोज या हफ्ते में बदला जा सकता है। रिसर्चर उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर इसके प्रोडक्शन के तरीकों पर काम कर रहे हैं।

## संचालक अभियोजन की नियुक्ति पर राज्य सरकार से जवाब तलब

शपथ-पत्र पर बताना होगा  
नियुक्ति के लिए क्या किया



**बिलासपुर।** संचालक अभियोजन की नियुक्ति एवं संबंधित संवर्ग की उपेक्षा से अर्बिन्धित रिट याचिका में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य शासन से शायथ-पत्र प्रस्तुत कर यह बताने को कहा है कि, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 20 के अनुरूप संचालक अभियोजन की नियुक्ति के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।

याचिका में मुख्यतः यह प्रश्न उठाया गया है कि, छत्तीसगढ़ लोक अभियोजन (राजपत्रित) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2008 के अंतर्गत

प्रतिनियुक्ति तभी की जा सकती है, जब अभियोजन संगम में कोई उपयुक्त अधिकारी उपलब्ध न हो। याचिका के अनुसार, राज्य द्वारा किसी उपयुक्त संगमगी अधिकारी की उपलब्धता अथवा अनुपयुक्तता का कोई वस्तुनिष्ठ निर्धारण किए बिना ही प्रतिनियुक्ति के आधार पर पद पर व्यवस्था की गई। याचिका में यह भी कहा गया है कि, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 20 संचालक अभियोजन के लिए निर्धारित पात्रता में पद के दायित्व मूलतः अभियोजन एवं विधिक प्रकृति के हैं। राज्य शासन द्वारा 24.अगस्त 2026 को एक भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को संचालक अभियोजन का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को भी याचिका में चुनौती दी गई है। जस्टिस बी डी गुरु की बेंच में 10 सितम्बर 2026 को सुनवाई की गई। कोर्ट ने राज्य को उपयुक्त विषय पर शपथ-पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए प्रकरण को 30 सितम्बर 2026 को सुनवाई हेतु नियत किया है।

उथले समुद्र में मिली चलने वाली शार्क की नई प्रजाति, पापुआ न्यू गिनी में आई नजर

पोट मोरेस्बी। समुद्र की गहराइयों में ही नहीं, उसकी उथली दुनिया में भी जीवों की अनदेखी विविधता छिपी है। पापुआ न्यू गिनी के दक्षिण-पूर्वी तट के पास वैज्ञानिकों ने शाक की एक ऐसी नई प्रजाति की पहचान की है, जो तैरने के साथ समुद्र की तलहटी पर चल भी सकती है। हेमिसिलियम डजियोनाई नाम की यह शाक अपने मजबूत पेक्टोरल और पेल्विक शॉक्स का इस्तेमाल पैरों की तरह करती है। इस नई प्रजाति के बारे में जर्नल ऑफ द ओशन साइंस फाउंडेशन में प्रकाशित अध्ययन में विस्तृत जानकारी दी गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह वॉकिंग शाक समूह में 2013 के बाद वर्णित पहली नई प्रजाति है। इससे साथ हेमिसिलियम वंश में ज्ञात प्रजातियों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।



## असम में २३ महीने के बच्चे ने बनाया नेशनल रिकॉर्ड

**दिसपुर।** असम के मोरीगांव जिले के सोनारीगांव में रहने वाले उत्कर्ष हजारीका ने अपने ज्ञान और सवालों के जवाब देने की काबिलियत के दम पर 1 साल 11 महीने की उम्र में ही इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। उनकी नौलैज की कमी को बढ़ाने में उनके माता-पिता ने अहम भूमिका निभाई है। इसी वजह से आज उन्हें 22 तरह के खाने की चीजें, 28 फल, 28 पेयों, 24 सब्जियां, 28 म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स, 12 फूल, 11 पेयों, शरीर के 26 अंग, अंतरिक्ष से जुड़ी 25 चीजें और 16 स्मारक पहचान सकते हैं। उत्कर्ष को मिले इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स के सर्टिफिकेट में यह भी बताया गया है कि वह हफ्ते के दिनों, महीनों, आठ ग्रहों और सात महाद्वीपों के नाम बता सकते हैं। इसके अलावा, उत्कर्ष 11 अक्षरों राइम्स, उनसे जुड़े शब्दों के साथ इंग्लिश अल्फाबेट्स और भारत के 17 नेशनल सिंबल्स के नाम सुना सकते हैं।



इंसानी मल से वैज्ञानिकों ने बना दी कंक्रीट, 42 प्रतिशत ज्यादा मजबूत निकला यह अनोखा फॉर्मूला

**वाशिंगटन।** क्या आपने कभी सोचा है कि जिस इंसानी मल को हम बेकार समझकर बहा देते हैं, उससे गगनचुंबी इमारतों और मजबूत सड़कें बनाई जा सकती हैं? सुनने में थले ही अजीब लगे लेकिन वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे पूरी दुनिया के इंजीनियरों को हैरान कर दिया है। शोधकर्ताओं ने इंसानी मल (बायो-सोलिड्स) का इस्तेमाल करके अनोखा कंक्रीट मिक्स तैयार किया है। लैब टेस्ट के दौरान जब इस कंक्रीट को 91 दिन तक क्वोरिंग यानि तराई की प्रक्रिया



रिसर्चर ने एक  
समस्याओं को ए  
वैज्ञानिकों की ए  
बायोचार बनाया  
कंक्रीट में सीमेंट

से गुजारा गया तो इसके नतीजे चौंका देने वाले थे। यह कंक्रीट आम कंक्रीट की तुलना में 42% ज्यादा मजबूत निकली। दाखल कंक्रीट का पर्यावरण पर बुरा असर पड़ता है जबकि इसानी कचरे का निपटान भी एक बड़ी चुनौती है। इसीलिए, नोखे लैब एक्सपेरिमेंट में इन दोनों साथ हल करने की कोशिश की है। टीम ने टूट किए गए इसानी मल से कौर उत्स से बनी चीज का इस्तेमाल और हिस्से की जगह किया।

## इंसानी मल से कैसे बनाया गया कंक्रीट ?

ज्ञानिकों ने इसके बाद बने हुए  
प्रयोगों को पीसकर और छलनी  
से छानकर बारीक पाउडर  
बनाया। फिर टीम ने इसे कंक्रीट  
मैक्सचर में सीमेंट की जगह  
तक हद तक इस्तेमाल किया।  
जिन्होंने तीन लेवल पर इसे  
तक हद तक इस्तेमाल किया।  
दिलकर देखा: 5, 10 और 15%।  
तलना के लिए एक आम  
मैक्सचर भी रखा गया था।

**कालड़ा बर्न एवं  
प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर**

■ कमर  
■ जांघ,  
■ आर्म  
■ वक्ष स्थल  
■ शरीर के अन्य  
हिस्सों का लेजर द्वारा  
लाइपोसक्शन

डॉ. म. शासन से मान्यता प्राप्त

आप. के. सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपट्टी  
मार्ग, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर  
फोन : 9827143060/8871003060  
Ajay 982314437

**Divisa**  
www.pet-saffa.com

**पेट सफा... तो हर रोग दफा**

**बताओ कोई उपचार  
3 दिन से नहीं आई यार।**

अगर पेट सफा अपनाओगे तो जोर नहीं लगाओगे

**MRP ₹ 120 30 Tablets**

**पेट सफा**  
NATURAL LAXATIVE TABLETS

अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए हैं, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा टैबलेट्स। पेट सफा टैबलेट की आदत भी नहीं पड़ती और यह पहली रात से असर दिखाती है।

**TABLETS**  
**पेट सफा**  
Natural Laxative TABLETS  
EFFECTIVE RELIEF FROM CONSTIPATION  
Proven Gentle Action

**यहाँ से भी खरीदें** amazon | Flipkart | blinkit | zepto

24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com • Available at all medical & general stores